RNI No:-MPHIN/2008/24599 डाक पंजीयन:-एमपी/SDL-0019/2026-2028 Epaper:- www.fatwasamachar.com

फतवा

प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित | भोपाल और छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार | आपका विश्वास

वर्ष -17 | अंक-31 | अनूपपुर-31 जुलाई से 06 अगस्त 2025 | पृष्ठ-08 | मूल्य-02 रुपये

पेज 06 उपमुख्यमंत्री श्री...

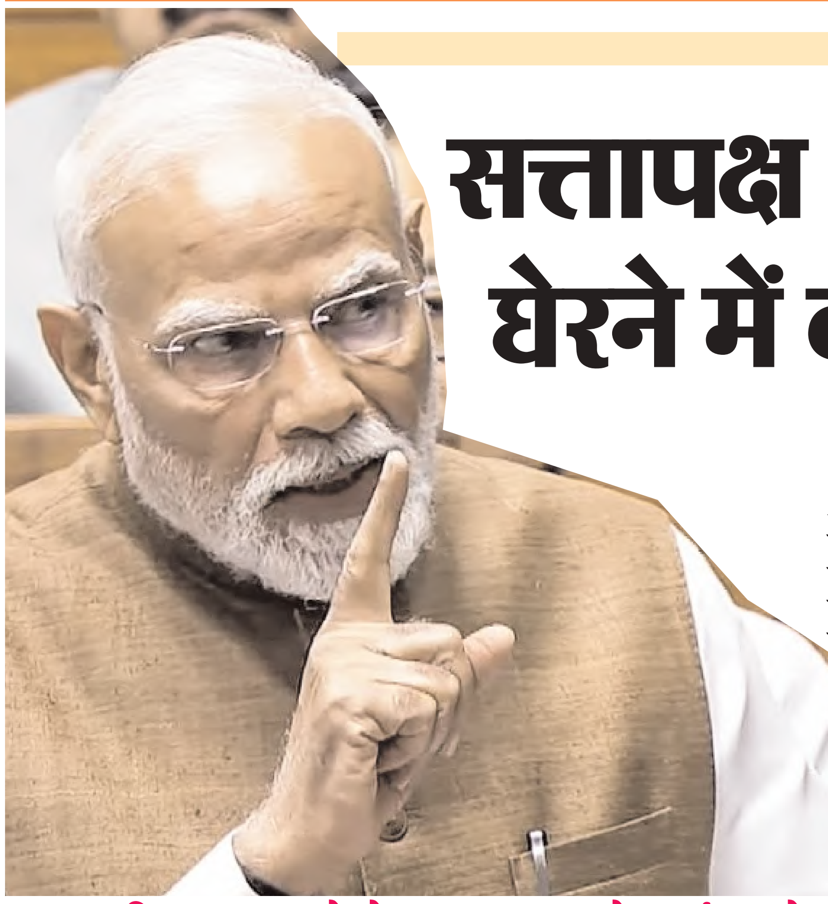

लोकसभा-राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा...

सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसदों ने एक-दूसरे को घेरने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा...मोदी बोले

हमने पाकिस्तान के सीने पर सीधा हमला किया

नई दिल्ली।

संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा हुई। सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसदों ने एक-दूसरे को घेरने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व के 193 देशों में से सिर्फ 3 देशों ने पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। हमने पाकिस्तान के सीने पर सीधा हमला किया। पाकिस्तान की न्यूक्लियर धमकी को हमने झूठा साबित कर दिया।

पीएम ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारी लड़ाई तो कई बार हुई है। लेकिन ये पहली ऐसी भारत की रणनीति बनी कि जिसमें पहले जहां कभी नहीं गए थे वहां हम पहुंचे। वो सोच नहीं सकता था कि कोई बहावलपुर मुरीदके भी जमींदोज कर सकता है। हमने कर दिया। पीएम ने कहा कि हमारी सेनाओं ने आतंकी अड्डों को तबाह कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि भारत अपनी शर्तों पर अपने तरीके से जवाब देकर रहेगा। भारत ने सिद्ध कर दिया कि न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगा न भारत इसके सामने झुकेगा। मोदी से पहले राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं। कहें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारा एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा।

आतंकी मास्टरमाइंड को अब नींद नहीं आती

पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में तीनों सेनाओं के बीच के कोआर्डिनेशन और सिनर्जी ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए। आतंकी घटनाएं पहले भी देश में होती थीं। पहले उनके मास्टरमाइंड निश्चिंत रहते थे। उनको पता होता था कि कुछ नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति बदल गई है अब उनके मास्टरमाइंड को नींद नहीं आती। अब उनको पता है कि अब भारत आएगा और मार कर जाएगा। ये न्यू नॉर्मल भारत ने सेट कर दिया है। दुनिया ने देख लिया है कि हमारी कार्रवाई का दायरा कितना बड़ा है। सिंदूर से लेकर सिंधु तक पाकिस्तान पर कार्रवाई की है। ऑपरेशन सिंदूर ने तय कर दिया है कि भारत पर आतंकी हमले की पाकिस्तान और उसके आकाओं को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आप ऐसे ही नहीं जा सकते है। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने 3 सूत्र तय किए हैं अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपनी शर्तों पर अपने तरीके से जवाब देकर रहेंगे।

हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे

पीएम मोदी ने सदन में कहा कि 22 अप्रैल के बाद विश्व को समझ में आए तो अंग्रेजी भी बोली थी। मैंने कहा था यह हमारा संकल्प है कि हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि सजा उनके आकाओं को भी होगी और कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। 22 अप्रैल को मैं विदेश में था, मैं तुरंत लौटकर आया और आने के तुरंत बाद मैंने बैठक बुलाई और उसमें साफ साफ निर्देश दिए कि आतंकवाद को करारा जवाब देना होगा और ये हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। हमें अपने सैन्य बलों की क्षमता पर पूरा भरोसा है। सेना कार्रवाई की खुली छूट दे दी गई। यह भी कहा गया कि सेना तय करे कि कब कहां कैसे किस प्रकार से, ये सारी बातें उस मीटिंग में साफ साफ कह दी गई थीं। कुछ बातें मीडिया में रिपोर्ट भी हुईं। हमें गर्व है आतंकियों को वो सजा दी कि आज भी आतंकियों के आकाओं की नींद उड़ी है।

अमित शाह बोले-पहलगाम में पर्यटकों को मारने वालों को कर दिया गया ढेर

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि जिन आतंकियों ने पहलगाम में बायसरन घाटी में 26 पर्यटकों को मारा था, ऑपरेशन महादेव में सोमवार को उन्हें ढेर कर दिया गया। गृह मंत्री शाह ने कहा– आतंकी कहां से आए, कहां गए, ये जिम्मेदारी किसकी है? ये हमारी ही जिम्मेदारी है। जब आपकी सरकार थी, तब किसकी जिम्मेदारी थी। कल चिदंबरम ने सवाल उठाया कि आतंकी पाकिस्तान से आए, इसका सबूत कहां है। शाह ने कहा– चिदंबरम जी को कहना चाहता हूं कि हमारे पास सबूत है कि तीनों पाकिस्तानी थे। दो के तो पाकिस्तान के वोटर होने की बात मौजूद हैं। इनके पास जो चॉकलेट मिलीं, वो भी पाकिस्तान मेड हैं। उन्होंनें कहा कि इस देश का पूर्व गृह मंत्री देश के सामने

पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहा है। वे पाकिस्तानी नहीं थे, ये कहकर चिदंबरम कह रहे हैं कि जब पाकिस्तान के नहीं थे तो उनपर हमला क्यों किया। पाकिस्तान को बचाने का षड्यंत्र देश के 130 करोड़ लोग जान गए हैं। अमित शाह ने कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम के बयान की भी सदन में आलोचना की। गृह मंत्री शाह ने सिंधु जल समझौते पर विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि सिंधु जल समझौते में भारत ने 80 प्रतिशत अपना पानी पाकिस्तान को दे दिया गया। हाजी पीर को पाकिस्तान को लौटा दिया। 1971 में भारत ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि हम सब इंदिरा जी का सम्मान करते हैं। 93 हजार युद्धबंदी हमारे पास और 15 हजार वर्गकिमी जमीन भी हमारे पास थी, शिमला समझौते में पाक के कब्जे वाला कश्मीर मांगना ही भूल गए। अगर ऐसा हो जाता तो न रहता बांस, न बजती बांसुरी। युद्धबंदी और 15 हजार वर्गकिमी जमीन भी दे दी। हमने पाकिस्तान के टेररिस्ट ठिकानों पर हमला किया।

प्रमुख संक्षिप्त

बस-ट्रक भिड़े, 6 कांवडियों की मौत

देवघर। देवघर में बस और ट्रक के बीच टक्कर में 6 कांवडियों की मौत हो गई। 24 कांवड़िए घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार सुबह 5 बजे देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास नावापुरा गांव में हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आधा हिस्सा पूरी तरह से धंस गया। कांवडियों के झोले और सामान बस में लटके दिख रहे हैं। हादसे में बस का ड्राइवर सीट समेत नीचे गिर गया। 100 मीटर तक बस बिना ड्राइवर के चली। 8 घायलों का एम्स में इलाज चल रहा है। बाकी लोग सदर अस्पताल में भर्ती हैं।

5 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार तडक़े रामेश्वरम के पांच तमिल मछुआरों को कच्छतीवू (नेदुंथीवु) द्वीप के पास से गिरफ्तार कर लिया। मछुआरों पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार कर श्रीलंकाई जल सीमा में अवैध रूप से मछली पकडऩे का आरोप है। स्थानीय मछुआरा संघ के अनुसार, ये मछुआरे सोमवार रात एक नाव से समुद्र में उतरे थे और कच्छतीवू के पास मछली पकड़ रहे थे। तभी श्रीलंकाई नौसेना की गश्ती टीम ने उन्हें घेर कर गिरफ्तार कर लिया। नौसेना ने उनकी नाव को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार किए गए मछुआरों को श्रीलंका के कंकेसनथुरई या तलाईमन्नार ले जाया जा रहा है। यहां उन्हें स्थानीय अधिकारियों को सौंपा जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मराठा आरक्षणः मनोज जरांगे 29 अगस्त से फिर अनशन को तैयार

मुंबई। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार पर मराठा समुदाय से किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने समुदाय के साथ विश्वासघात किया है। अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, जरांगे ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की, तब वे 29 अगस्त से मुंबई में फिर से भूख हड़ताल शुरू कर दूंगा। जरांगे ने जालना जिले के अंतरवाली सारथी गाँव में बताया कि मराठों की चार प्रमुख माँगें, जिनके लागू होने का महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने आश्वासन दिया था, वे पूरी नहीं हुई हैं। दरअसल जरांगे लगातार यह माँग करते रहे हैं कि सभी मराठाओं को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए। कुनबी एक कृषि प्रधान जाति है जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आती है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की भी माँग की है। वह ऐतिहासिक अभिलेखों, जैसे बॉम्बे, सतारा और हैदराबाद के राजपत्रों को लागू करने की माँग पर जोर देते रहे हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि ये मराठा समुदाय को कुनबी के रूप में वर्गीकृत करते हैं।

बिहार में हो रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा

15 लोग बताइए, जो जिंदा, लेकिन लिस्ट से नाम कटा - ज्यादा वोटर्स के नाम कटे तो हस्तक्षेप करेंगे

पटना।

बिहार में हो रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर आज फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- अगर बड़े पैमाने पर वोटर्स के नाम कटे हैं तो हम हस्तक्षेप करेंगे। सुप्रीम कोर्ट 12 अगस्त से बिहार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन मामले की सुनवाई शुरू करेगा। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इनमें से कुछ अपना घर छोडक़र कहीं और चले गए हैं, कुछ मर गए हैं। जस्टिस बागची ने कहा कि हम इस पूरे मामले को देख रहे हैं। अगर बड़े पैमाने पर मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से काटा जा रहा है, तो हम तुरंत हस्तक्षेप करेंगे। आप ऐसे 15 लोगों को लेकर आइए जो कहें कि वे जीवित हैं और उनको मरा दिखाकर नाम काट दिया गया है।

सोमवार को कोर्ट ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर रोक से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एडीआर से कहा था कि अगर खामी मिली तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर देंगे। इसके साथ ही चुनाव आयोग से पूछा है- आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को मतदाता पहचान के लिए स्वीकार क्यों नहीं किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने कहा कि राशन कार्ड पर विचार नहीं किया जा सकता। यह बहुत बड़े पैमाने पर बना है, फर्जी होने की संभावना अधिक है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर बात फर्जीवाड़े की है तो धरती पर कोई ऐसा डॉक्यूमेंट नहीं है, जिसकी नकल नहीं हो सके। ऐसे में 11 दस्तावेजों के आपके सूचीबद्ध करने का क्या आधार है?

65 लाख नाम लिस्ट से हटे

चुनाव आयोग ने 27 जुलाई को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के पहले चरण के आंकड़े जारी कर दिए हैं। इसके मुताबिक बिहार में अब 7.24 करोड़ वोटर हैं। पहले यह आंकड़ा 7.89 करोड़ था। वोटर लिस्ट रिवीजन के बाद 65 लाख नाम सूची से हटा दिए गए हैं। हटाए गए नामों में वे लोग शामिल हैं, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं या फिर कहीं और स्थायी रूप से रह रहे हैं या जिनका नाम दो वोटर लिस्ट में दर्ज था। इनमें से 22 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। 36 लाख मतदाता स्थानांतरित पाए गए, जबकि 7 लाख लोग अब किसी और क्षेत्र के स्थायी निवासी बन चुके हैं।

हिमाचल में बादल फटा, दिल्ली में दीवार गिरी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

नई दिल्ली।

पूरे देश में हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी में बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई और 2 लोग लापता हैं। वहीं, दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में दीवार गिरने से मां-बेटे की जान चली गई। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मंडी में बादल फटने के बाद 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। चंडीगढ़-मनाली और मंडी-जोगेंद्रनगर फोरलेन बंद हो गए हैं। भूस्खलन और पानी के तेज बहाव से कई घरों में मलबा घुस गया है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल सहित 34 जिलों में भारी बारिश हो रही है। रायसेन में पिछले 24 घंटे से जारी बारिश के कारण शहरी और ग्रामीण इलाकों में 3 फीट

तक जलभराव है, जिससे घरों में रखा सामान भी पानी में डूब गया है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। वहीं राजस्थान में भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्तौड़गढ़, झालावाड़, कोटा, पाली और सिरोही में घरों में पानी घुस गया है। टोंक-चित्तौड़गढ़ में बारिश से हुए हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। भीलवाड़ा के बिजौलिया में सड़कों पर नाव चल रही है और एसडीआरएफ की टीम लोगों को रेस्क्यू कर रही है। आज राज्य के 27 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

8वां वेतन आयोग के लागू होते ही ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर सेक्टर को लाभ

नई दिल्ली।

केंद्रीय कर्मचारियों को 8वां वेतन आयोग लागू होने का बेसब्री से इंतजार है। उम्मीद की जा रही है कि 8वां वेतन आयोग के लागू होने से सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में शानदार ग्रोथ होगी। जिसे लेकर अब एक रिपोर्ट सामने आई है। इसमें 8वां वेतन आयोग कब लागू होगा और इसके तहत सैलरी में कितना इजाफा होगा? इन सभी सवालों के जवाब दिए गए हैं। रिपोर्ट में कहा है कि 8वां वेतन आयोग 2026 के आखिरी या 2027 की शुरुआत में लागू हो सकता है। मोदी सरकार फिलहाल इसके लिए टर्म ऑफ रेफरेंस तय कर रही है और अभी आयोग का गठन होना बाकी है। मोदी सरकार ने अभी तक इसके अध्यक्ष के बारे में भी खुलासा नहीं किया है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इनका ऐलान हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में 8वें वेतन आयोग के तहत एक बड़ी बढ़ोतरी का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में 30 से 34 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। नए पे कमीशन के तहत न्यूनतम बेसिक वेतन 18000 रुपये से बढ़कर करीब 30,000 रुपये हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह करीब 1.8 रहने का अनुमान है, जो कर्मचारियों को वास्तविक तौर पर 13 फीसदी का फायदा देगा।

महाराष्ट्र सरकार ने एक व्यापक सुधार के साथ पब्लिक ट्रस्टों के लिए निवेश करने के दरवाजे खोले

अब स्टॉक मार्केट में निवेश होगा मंदिरों का खजाना

मुंबई।

प्रतिष्ठित मंदिर और धर्मार्थ ट्रस्ट जल्द ही भारत के वित्तीय बाजार में एक्टिव निवेशक बन सकते हैं। महाराष्ट्र राज्य सरकार ने एक व्यापक सुधार के साथ पब्लिक ट्रस्टों के लिए अपनी कुल राशि का 50 फीसदी तक म्यूचुअल फंड और बाजार से जुड़ी इक्विटीज में निवेश करने के दरवाजे खोल दिए हैं। दशकों तक सार्वजनिक ट्रस्ट, चाहे वे धार्मिक संस्थाएं हों, सामाजिक कल्याण संगठन हों या फिर एजुकेशन चैरिटी संस्था हों... सावधि जमा और डाकघर योजनाओं जैसे पारंपरिक साधनों में निवेश तक ही सीमित थे। लेकिन अब ये स्थिति बदल चुकी है और राज्य सरकार ने म्यूचुअल फंड और बॉन्ड में निवेश की अनुमति दे दी है। महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर ने एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत ट्रस्टों को अपने निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने की मंजूरी दी है।

युवा वकील एआई से कोर्ट के फर्जी फैसले खोज कर अदालत में पेश कर रहे

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस राजेश बिंदल ने कहा है कि भारत और अमेरिका में कुछ युवा वकील एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) टूल्स से कोर्ट के फर्जी फैसले खोज कर अदालत में पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई बार युवा वकील एआई पर सिर्फ दो-तीन शब्द डालकर सर्च करते हैं और जो भी फैसला सामने आता है, उस फैसले को कोर्ट में दिखा देते हैं। कई बार वहां फैसला गलत होता है, अल्पमत (मतभेद वाले जज का) होता है या फिर एआई ने खुद से कोई नया फर्जी जजमेंट बना दिया होता है। जस्टिस बिंदल ने ऑल इंडिया सीनियर लॉयर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में यह बात कही। कार्यक्रम में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किए गए चार नए जजों जस्टिस जॉयमाल्य बागची, निलय वी अंजारिया, विजय बिश्नोई और अतुल एस चंदुरकर का सम्मान किया गया। मंच पर राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील पी विल्सन, वरिष्ठ अधिवक्ता अदीश अग्रवाल और पितांबरी आचार्य भी थे।

नेशनल हेराल्ड केस- ईडी की चार्जशीट पर फैसला टला

राउज एवेन्यू कोर्ट में अब 7-8 अगस्त को सुनवाई; राहुल-सोनिया पर आरोप तय होंगे

नई दिल्ली।

राउज एवेन्यू कोर्ट नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट पर फैसला टाल दिया है। अब यह मामला 7 और 8 अगस्त को निरीक्षण के लिए लिस्ट किया गया है। इसके बाद कोर्ट यह तय करेगी कि चार्जशीट पर संज्ञान कब लिया जाएगा। वहीं, राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर आरोप भी तय होंगे। कोर्ट ने 14 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद फैसला 29 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रखा था। ईडी का आरोप है कि

सोनिया और राहुल ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) हड़पने की कोशिश की। ईडी के मुताबिक एजेएल घाटे में थी। दो हजार करोड़ रुपए की संपत्ति होने के बावजूद एजेएल ने कांग्रेस से 90 करोड़ रुपए का कर्ज लिया और चुका नहीं पाई। आमतौर पर ऐसी हालत में संपत्तियां बेची जाती हैं। इसके बाद सोनिया और राहुल ने एजेएल हड़पने की साजिश रची। इसके लिए यंग इंडियन (वायएल) नाम की कंपनी बनाई गई। इसने एजेएल का अधिग्रहण किया। वायएल में सोनिया और राहुल की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ईडी का आरोप है कि ये दिखावटी फंडिंग थी। असल में एजेएल से कोई लेन-देन किया ही नहीं गया।

इसरो-नासा का 'निसार' सैटेलाइटः आज रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसियों–इसरो (इसरो) और नासा की साझा परियोजना निसार अब लांच के अंतिम चरण में है। इस सैटेलाइट को 30 जुलाई को भारत के जीएसएलपवी-एफ 16 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसकी लागत करीब 1.3 बिलियन डॉलर (लगभग 11,240 करोड़ रुपये) है। यह अब तक का सबसे महंगा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह माना जा रहा है। इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने बताया कि निसार एक उच्च तकनीकी रडार सैटेलाइट है, जो हर मौसम और दिन-रात पृथ्वी की निगरानी करने में सक्षम है।

एसआईआर मे गृह एवं विधि मंत्रालय, के हस्तक्षेप से चुनाव आयोग की निष्पक्ष भूमिका पर सवालिया निशान

बिहार में चल रही मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी (एसआईआर) अब चुनाव आयोग की प्रशासनिक कवायद नहीं रह गई है। बल्कि यह प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की नींव को झकझोर देने वाला संवेदनशील मुद्दा बन गया है। रिपोर्टर्स कलेक्टिव और कई स्वतंत्र पत्रकारों की पड़ताल से जमीनी हकीकत एवं वास्तविक्ता उजागर हुई है।

एसआईआर की पूरी प्रक्रिया न केवल अपारदर्शी है, बल्कि इसमें गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय के साथ चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। सबसे पहला सवाल चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग एक स्वतंत्र और स्वायत्तशायी संस्था है। जब चुनाव आयोग गृह मंत्रालय या विधि मंत्रालय से बिना सार्वजनिक सूचना के कानूनी सलाह लेकर ऐसा कोई बड़ा कदम उठाती है। जो चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकते हैं। यह उसकी स्वायत्तता पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। रिपोर्ट के अनुसार आयोग ने बिहार में एसआईआर की शुरुआत करने से पहले विधि मंत्रालय से परामर्श लिया था। इसकी कोई फाइल मौजूद विधि मंत्रालय और चुनाव आयोग के पास मौजूद नही है। सूचना अधिकार कानून में भी इसकी पुष्टि नही की गई है। चुनाव आयोग ने विधि मंत्रालय और गृह मंत्रालय की राय पर विशेष गहन परीक्षण के नियम तैयार किए गए हैं। ऐसे में यह संदेह गहरा होता है। क्या आयोग पर सरकार और उसके मंत्रालयों का कोई दबाव था? यह सही है तो चुनाव आयोग ने यह जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं विधि मंत्रालय का यह कहना कि उनके पास कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। इसे एक गंभीर प्रशासनिक चूक या जानबूझकर की गई गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकारी प्रक्रिया का हर दस्तावेज रिकॉर्ड में होना चाहिए, यह नियम है। जब करोड़ों नागरिकों के मतदाता अधिकारों पर असर डालने वाला निर्णय लिया जा रहा था। तब इस स्तर की गोपनीयता ना केवल अलोकतांत्रिक है। बल्कि संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ होकर कई संदेहों को जन्म दे रही है। इस मामले में गृह मंत्रालय की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। विभिन्न जिलों के कलेक्टरों और पुलिस को एसआईआर के नाम पर जिन लोगों की नागरिकता प्रमाणित कराने की जिम्मेदारी दी गई है। वह अप्रत्यक्ष रूप से असम में की गई एनआरसी जैसी प्रक्रिया की पुनरावृत्ति के समान है। संविधान के अनुच्छेद 326 में उल्लिखित नागरिकों के सार्वभौमिक मौलिक एवं मताधिकार के सिद्धांत पर गहरा आघात माना जा रहा है। तीनों संस्थाओं जिसमे गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय और चुनाव आयोग की संयुक्त राय से यदि मतदाता सूची में परिवर्तन या छेड़छाड़ हो रही है। तो यह लोकतंत्र तथा संविधान की आत्मा पर सीधा हमला है।

बिहार में मतदाता सूची में हो रहे सघन परीक्षण के बाद इस सारे देश में लागू करने की बात की जा रही है ऐसी स्थिति में निष्पक्ष न्यायिक जांच बहुत जरूरी हो जाती है। एडीआर एक ऐसी संस्था है, जो पिछले दो दशक से चुनाव सुधार को लेकर काम कर रही है। बिहार में मतदाता सूची के सघन परीक्षण के पूर्व चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों से कोई चर्चा नहीं की गई है। जब चुनाव आयोग नियमों में बड़े परिवर्तन कर रहा था। पिछले 7 दशक में चुनाव आयोग राजनीतिक दलों की बैठक बुलाकर चर्चा करके नियमों में संशोधन या चुनाव सुधार के लिए रायशमारी करता था। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से संवाद बंद कर दिया है। चुनाव आयोग अपने स्तर पर ही नियमों में परिवर्तन करता चला आ रहा है। चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली और उसके निर्णयों की जितनी आलोचना पिछले 2-3 वर्षों से हो रही है। इसके पहले कभी नहीं हुई। चिंता की बात यह है, चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली से अब राजनीतिक दलों और मतदाताओं का भरोसा खत्म होने लगा है। यह स्थिति कहीं से भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की कमेटी बनाने का फैसला दिया था। सरकार ने जब कानून बनाया, उसमें चीफ जस्टिस के स्थान पर प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त कैबिनेट मंत्री को उस कमेटी का सदस्य बना दिया। लोकसभा चुनाव के दौरान जितनी भी शिकायतें विपक्षी दलों द्वारा की गई, उन पर चुनाव आयोग ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। चुनाव आदर्श आचार संहिता का लगातार उल्लंघन सत्तारूड पार्टी द्वारा किया जा रहा था। उसके बाद महाराष्ट्र, हरियाणा के चुनाव परिणाम में जितनी आलोचना चुनाव आयोग की हुई है। पहले कभी नहीं हुई थी। पहले लोकसभा और विधानसभा वार मतदान की जानकारी मतदान के दूसरे दिन 12 बजे तक अपडेट हो जाती थी। पिछले कुछ चुनावों में इसे प्रतिशत के हिसाब से राज्यवार बताया जाने लगा। मतदान के परसेंटेज में बार-बार परिवर्तन होता रहा। जिसके कारण राजनीतिक दलों और मतदाताओं को जो विश्वास चुनाव आयोग प्रति था, वह धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में भी चुनाव आयोग से संबंधित जो मामले गए, उनमें कई मामलों में अभी तक ना तो सुनवाई हुई, जिन मामलों में सुनवाई हुई, उनमें भी कोई ठोस निर्णय नहीं हुए। जिसके कारण राजनीतिक दलों में अविश्वास बढ़ गया है। बिहार के लिए चुनाव आयोग ने मतदाताओं के लिए दस्तावेज के जो नियम बनाये हैं, वह अव्यावहारिक हैं। जिसके कारण बिहार में जन आंदोलन की शुरुआत हो चुकी है। यह आंदोलन अन्य राज्यों में भी फैलता हुआ दिख रहा है। नियम और कानून की अहमियत तभी तक है, जब तक लोग इसे मानते हैं। यदि जबरदस्ती नियम और कानून थोपे जाते हैं, ऐसी स्थिति में उनका विरोध होता है। जनता नियम-कानून मानने से इनकार कर देती है। जिसके कारण कानून तंत्र पर भीड़ तंत्र का भारी पड़ने लगता है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। न्यायपालिका, संविधान की संरक्षक है। आशा की जाती है, इतने संवेदनशील मामले में न्यायपालिका गंभीरता के साथ सुनवाई करें। चुनाव आयोग, जो दावा कर रहा है, वह सही है, या गलत है। इसको सुप्रीम कोर्ट को देखना होगा। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है। इस पर बैठे हुए लोग किस तरह से कार्य कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट को सत्य की तह पर जाने के लिए सभी पक्षों की बात सुननी होगी। सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला होगा, चुनाव आयोग, राजनीतिक दल और मतदाताओँ का विश्वास बहाल हो। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर सारे देश एवं दुनिया की निगाहें हैं।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे बनाम संवाद का भविष्य

"2025 के मानसून सत्र में रोजगार, महंगाई, महिला आरक्षण, चिकित्सा व्यवस्था और जलवायु परिवर्तन जैसे ज्वलंत विषयों पर सार्थक चर्चा नहीं हो सकी। यदि विपक्ष वेल में प्रदर्शन करता रहा और सत्ता पक्ष जवाब देने की बजाय मौन रहा या विधेयकों को ध्वनि मत से पारित करवा देता रहा, तो यह पारदर्शिता और जवाबदेही के लोकतांत्रिक सिद्धांतों का अपमान है।"

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा उस महान भवन में बसती है जिसे हम संसद कहते हैं। यहीं देश की नीतियाँ बनती हैं, कानून आकार लेते हैं और जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की समस्याओं को राष्ट्रीय विमर्श में बदलते हैं। परंतु यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि जिस मंच पर विचारों की भिड़ंत से समाधान का सूर्योदय होना था, वहां अब केवल शोर, नारे और हंगामा सुनाई देता है? संसद का मानसून सत्र, जो देश की लोकतांत्रिक चेतना को पुष्ट करने का अवसर बन सकता था, बार-बार बाधित होता रहा। यह घटनाक्रम न केवल सरकार और विपक्ष के बीच संवादहीनता का संकेत है, बल्कि संसद जैसी सर्वोच्च संस्था की गरिमा के क्षरण का भी द्योतक है।

विगत कुछ वर्षों में संसद की कार्यप्रणाली पर आंकड़े ही नहीं, आम जनमानस की चिंता भी यह दर्शाने लगी है कि लोकतंत्र का यह मंदिर राजनीतिक युद्धभूमि बनता जा रहा है। मानसून सत्र 2025 कोई अपवाद नहीं रहा। टीवी चैनलों और अखबारों की सुर्खियाँ बताती हैं कि इस बार भी विधायी कार्यों की बजाय हंगामे, स्थगन, निलंबन और आरोप-प्रत्यारोप का ही बोलबाला रहा। प्रश्न यह है कि क्या संसद का मंच केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा बनकर रह जाएगा? क्या संवाद की संस्कृति, जो लोकतंत्र की धुरी है, अब इतिहास की बात बनती जा रही है?

भारतीय संसद का इतिहास गौरवशाली रहा है। स्वतंत्रता के बाद प्रारंभिक दशकों में पंडित नेहरू, डॉ. अम्बेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं ने संसद को वैचारिक मंथन का केंद्र बनाया। पक्ष और विपक्ष दोनों की बहसें शालीनता, तर्क और तथ्य पर आधारित होती थीं। लेकिन आज की स्थिति में विरोध का तरीका बदल चुका है। विपक्ष बहस की बजाय वेल में आकर प्रदर्शन करता है और सरकार बहस से बचते हुए विधेयकों को बिना चर्चा के पारित करवाने में रुचि दिखाती है। इससे दोनों पक्षों की जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है।

मानसून सत्र के दौरान सरकार द्वारा लाए गए कई महत्त्वपूर्ण विधेयक—जैसे डेटा संरक्षण कानून, जनसंख्या नीति का प्रारूप, तीन तलाक से संबंधित संशोधन या चुनाव सुधार—पर पर्याप्त बहस नहीं हो सकी। विपक्ष की रणनीति रही कि सरकार को बिना जवाबदेही के विधेयक पारित न करने दिए जाएं, लेकिन इसका तरीका केवल हंगामा था, कोई वैकल्पिक प्रस्ताव या ठोस सुझाव नहीं। दूसरी ओर, सरकार ने यह कह कर बहस से बचने की कोशिश की कि विपक्ष संसद चलने नहीं दे रहा। यह एक और एक ग्यारह का लोकतांत्रिक समीकरण नहीं, बल्कि दोनों गलत की स्थिति बनाता है।

जब संसद में कामकाज नहीं होता, तो असल में नुकसान किसका होता है? जवाब है—जनता का। एक आम नागरिक संसद में अपने प्रतिनिधियों को भेजता है ताकि वे उसकी आवाज बनें, उसकी समस्याएं रखें, नीतियों पर चर्चा करें और जवाबदेही तय करें। लेकिन जब सत्र स्थगन और हंगामे में बीतता है, तो किसान की फसल, बेरोजगार का भविष्य, महिला की सुरक्षा, छात्र की शिक्षा—ये सब मुद्दे पीछे छूट जाते हैं।

2025 के मानसून सत्र में रोजगार, महंगाई, महिला आरक्षण, चिकित्सा व्यवस्था और जलवायु परिवर्तन जैसे ज्वलंत विषयों पर सार्थक चर्चा नहीं हो सकी। यदि विपक्ष वेल में प्रदर्शन करता रहा और सत्ता पक्ष जवाब देने की बजाय मौन रहा या विधेयकों को ध्वनि मत से पारित करवा देता रहा, तो यह पारदर्शिता और जवाबदेही के लोकतांत्रिक सिद्धांतों का अपमान है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि संसद का मंच अब रणनीति और इवेंट मैनेजमेंट का स्थान बनता जा रहा है। विपक्ष जानबूझ कर हंगामा करता है ताकि सरकार को कठघरे में खड़ा किया जा सके, वहीं सरकार सत्र की शुरुआत से ही 'काम नहीं करने देने वाले विपक्ष' की छवि बनाकर सहानुभूति अर्जित करती है। यह एक तरह का जन-धोखा है, जिसमें दोनों पक्ष अपनी राजनीति साध रहे हैं और लोकतंत्र का मुख्य उद्देश्य—जनसेवा—कहीं गुम होता जा रहा है।

इस मानसून सत्र में सांसदों के निलंबन की घटनाएं, कई महत्वपूर्ण विधेयकों को बिना चर्चा पारित कर देना और प्रधानमंत्री का विपक्ष की चिंताओं को 'बेहूदी राजनीति' कहकर खारिज कर देना—इन सबने यह प्रश्न खड़ा किया है कि क्या हम संवाद के युग से वाकयुद्ध के युग में प्रवेश कर चुके हैं?

इस प्रश्न का उत्तर केवल आलोचना से नहीं, बल्कि एक सकारात्मक दृष्टिकोण से ढूंढ़ा जाना चाहिए कि संसद की गरिमा को कैसे बहाल किया जा सकता है? प्रथम आवश्यकता है—राजनीतिक इच्छाशक्ति की। जब तक सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों इस बात को नहीं स्वीकार करेंगे कि संसद का मूल कार्य बहस और संवाद है, तब तक सुधार की कोई भी कोशिश सतही ही सिद्ध होगी। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की आलोचनाओं को केवल राजनीति कह कर न टाले, बल्कि उन्हें सुनने, समझने और उत्तर देने की संस्कृति विकसित करे। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि वेल में आकर नारे लगाने और आसन के पास प्रदर्शन करने से कोई लोकतांत्रिक उद्देश्य सिद्ध नहीं होता। जनता ने विपक्ष को नकारात्मक राजनीति के लिए नहीं, बल्कि सशक्त विकल्प और जनहित में प्रश्न उठाने के लिए संसद में भेजा है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में जहां विविधता इतनी व्यापक है कि एक कानून का असर हर क्षेत्र में भिन्न हो सकता है, वहां परिपक्व, बहुआयामी और विवेकपूर्ण बहस की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ जाती है। यदि विधेयक बिना विमर्श के पारित होते रहेंगे, तो नीति निर्माण एकपक्षीय हो जाएगा और इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर नकारात्मक होगा। इससे न केवल जनविश्वास पर असर पड़ेगा, बल्कि विधायिका की वैधता भी प्रश्नों के घेरे में आ जाएगी।

संसद का आचरण संहिता केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक नैतिक प्रतिज्ञा होनी चाहिए। प्रत्येक सांसद को यह याद रखना चाहिए कि वह देश की जनता की आवाज बनकर सदन में बैठा है, व्यक्तिगत या दलगत स्वार्थों की पूर्ति के लिए नहीं। 'सदन की कार्यवाही चलने दी जाए या न दी जाए' यह निर्णय व्यक्तिगत भावना या तात्कालिक राजनीतिक लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि जनहित की प्राथमिकता पर आधारित होना चाहिए।

यहां यह भी आवश्यक हो जाता है कि संसद की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाया जाए। जैसे—हर बार जब सत्र बाधित हो, तो उसका स्पष्ट कारण रिकार्ड में दर्ज हो; हंगामा करने वाले सांसदों के विरुद्ध दलगत राजनीति से परे सख्त कार्रवाई की जाए; और सबसे महत्वपूर्ण, सत्र के दौरान सदन की उत्पादकता का विस्तृत मूल्यांकन मीडिया और जनता के समक्ष नियमित रूप से रखा जाए। यदि कोई सांसद या दल बार-बार कार्यवाही को बाधित करता है, तो उसकी रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश हो ताकि मतदाता स्वयं तय कर सकें कि वे अगली बार किसे चुनें।

वर्तमान समय में एक बड़ा खतरा यह है कि संसद अब केवल वैचारिक मंथन का मंच नहीं, बल्कि टेलीविज़न और सोशल मीडिया की हिट होने की होड़ का अखाड़ा बनता जा रहा है। कई सांसद संसद में दिए गए वक्तव्यों की तैयारी ऐसे करते हैं जैसे वे किसी न्यूज डिबेट में भाग लेने जा रहे हों। भाषणों में तथ्य कम, नाटकीयता अधिक होती है। कई बार प्रश्न यह भी उठता है कि क्या सांसद यह जान-बूझ कर हंगामा करते हैं ताकि उनका चेहरा अगली सुबह टीवी चैनलों की ब्रेकिंग न्यूज़ में छा जाए?

यह प्रवृत्ति न केवल लोकतंत्र को हास्यास्पद बनाती है, बल्कि गंभीर विषयों की उपेक्षा करती है। क्या हम यह भूल गए हैं कि संसद केवल राजनीति का मंच नहीं, बल्कि नीति और राष्ट्रनिर्माण का महाशिविर है? यदि सांसद सोशल मीडिया ट्रेंड्स के आधार पर अपनी रणनीतियाँ तय करने लगें, तो संसद का स्वरूप मात्र एक जनसंपर्क मंच बन जाएगा, न कि नीति निर्माण की कार्यशाला।

समस्या के समाधान की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। पहला—संसदीय सत्रों का पूर्व-अनुसूचित एजेंडा, जिसमें यह तय हो कि किन विषयों पर कितनी बहस होगी और किस क्रम में विधेयकों को प्रस्तुत किया जाएगा। दूसरा—प्रश्नकाल की रक्षा, जो अब बार-बार हंगामे की भेंट चढ़ जाता है। प्रश्नकाल को बुलडोज़ करना संसद की आत्मा को कुचलने जैसा है। तीसरा—सर्वदलीय बैठकों को केवल औपचारिकता के बजाय सच्चे संवाद का मंच बनाना होगा।

इसके अतिरिक्त, नागरिक समाज और मीडिया की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है। मीडिया को चाहिए कि वह संसद में हुए शोर को दिखाने के साथ-साथ यह भी दिखाए कि किस सांसद ने क्या मुद्दा उठाया, किसने कितनी बार अनुपस्थित रहा और किसने संसद में सार्थक योगदान दिया। नागरिक समाज को भी इन बिंदुओं पर लगातार सवाल पूछते रहना चाहिए, ताकि संसद की कार्यवाही केवल सांसदों की जिम्मेदारी न होकर, जन-सहभागिता की मिसाल भी बन सके।

भारतीय लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों में नहीं, बल्कि निर्वाचित संस्थाओं के परिपक्व संचालन में निहित है। संसद, लोक की आशा और विश्वास का प्रतिबिंब है। जब यह संस्थान हंगामे और टकराव का प्रतीक बन जाए, तो लोकतंत्र की नींव डगमगाने लगती है। हमें यह तय करना ही होगा कि हम कैसी संसद चाहते हैं—एक ऐसी जो नारे और वेल से संचालित हो या वह जो तर्क, संवाद और सहमति की राह दिखाए।

समय आ गया है जब सभी राजनीतिक दल अपने-अपने एजेंडा से ऊपर उठकर संसद को फिर से विचारों की भूमि बनाएं। यह परिवर्तन केवल नियमों से नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और संकल्प से संभव होगा। लोकतंत्र के इस पावन मंच को फिर से गरिमामयी बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है—सरकार की भी, विपक्ष की भी और हर नागरिक की भी।

टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश में लगातार बढ़ रहा है बाघों का कुनबा

मध्यप्रदेश न केवल अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह भारत का टाइगर स्टेट भी कहा जाता है। बाघों के संरक्षण और संवर्धन के साथ ही मध्यप्रदेश ने अपनी प्राकृतिक संपदा और जैव-विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहाँ के घने जंगल और संरक्षित क्षेत्र बाघों की सबसे बड़ी आबादी का घर हैं, जो इसे देश में वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करता है। मध्यप्रदेश को भी प्रकृति ने न केवल मुक्त हस्त से संवारा है बल्कि नैसर्गिक सौंदर्य और हरियाली से आच्छादितकिया है, वहीं प्रदेश सरकार ने भी वन्य प्राणी संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान देकर इसे वन्य प्राणी समृद्ध प्रदेश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले डेढ़ दशक के दौरान श्रेष्ठ और सतत वन्य प्राणी प्रबंधन के प्रयासों से चलते आज मध्यप्रदेश देश और दुनिया में अग्रणी प्रदेश बना है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाघों की जातियों की घटती संख्या, उनके अस्तित्व और संरक्षण संबंधी चुनौतियों के प्रति जन-जागृति के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। विश्व बाघ दिवस 29 जुलाई को मनाए जाने का निर्णय वर्ष 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर सम्मेलन में किया गया था। इस सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले देशों ने वादा किया था कि बहुत जल्द वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश ने बहुत तेजी से काम किया और प्रबंधन में निरंतरता दिखाते हुए पूरे देश में बाघों के संरक्षण और संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति करने में सफलता पाई है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2006 से बाघों के संरक्षण के लिए प्रयास शुरू किए गए। इसी के बाद प्रदेश में टाइगर की संख्या लगातार बढ़ती चली गई। वर्ष 2006 में मध्यप्रदेश में कुल 300 टाइगर थे हालाँकि 2010 में टाइगर की संख्या घटकर 257 हो गई। इस साल मध्य प्रदेश से टाइगर स्टेट का दर्जा छिन गया था और कर्नाटक को टाइगर स्टेट का दर्जा मिला।वहीं वर्ष 2014 में मध्यप्रदेश में 308 बाघ हो गए और वर्ष 2018 में यह संख्या बढ़कर 526 हो गई और मध्यप्रदेश ने टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल किया और इस वर्ष बाघों की संख्या 526 पहुँच गई। वर्ष 2022 की गणना के अनुसार 785 बाघ हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। बीते आठ वर्षों में मध्यप्रदेश में 477 बाघ बढ़े। इस अवधि में प्रतिवर्ष प्रदेश में बाघों की वृद्धि दर 10 फीसदी से अधिक रही है। अगर यही रफ़्तार रही तो अगली बार की बाघों की गणना में प्रदेश में बाघों की संख्या हजार से अधिक पहुंच सकती है।

मध्यप्रदेश के कुछ बाघ ऐसे हैं जो देश-दुनिया में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। मुन्ना, कॉलरवाली, सीता, चार्जर, बामेरा और टी1 यह कुछ ऐसे नाम हैं जो अपनी विशेषताओं के चलते हाल के कुछ वर्षों में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुए हैं। पर्यटक दूर-दूर से इन्हें देखने आते हैं और अलग तरह का अनुभव लेते हुए खुद को बड़े रोमांचित महसूस करते हैं। बाघ की दहाड़ अब प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बाहर भी सुनाई दे रही है। राजधानी भोपाल के शहरी इलाकों में भी बाघों की आवाजाही अब देखी जा सकती है। बाघों को राजधानी भोपाल की आबोहवा इस कदर रास आ रही है आने वाले दिनों में इनकी टेरिटरी तेजी से बढ़ने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। वर्ष 1973 में बाघों को विशेष संरक्षण प्रदान करने के लिए देश में टाइगर रिजर्व की स्थापना की गई थी। प्रदेश का पहला टाइगर रिजर्व 1973 में कान्हा टाइगर बना। इनमें सबसे बड़ा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और सबसे छोटा पेंच टाइगर रिजर्व है। मध्यप्रदेश में अब 9 टाइगर रिजर्व हो गए हैं जिनमें कान्हा टाइगर रिजर्व , पेंच टाइगर रिजर्व , बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पन्ना टाइगर रिजर्व, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, संजय-डुबरी टाइगर रिजर्व, रातापानी टाइगर रिजर्व,वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व और माधव टाइगर रिजर्व शामिल हैं। 2023 में मध्यप्रदेश के कान्हा नेशनल पार्क और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को मैनेजमेंट इफेक्टिवनेस इवैल्यूशन में देश के टॉप 5 टाइगर रिजर्व में चुना गया। इसके अलावा मध्यप्रदेश में 24 अभयारण्य हैं और 11 नेशनल पार्क हैं। अभयारण्य के रूप में पचमढ़ी, पनपथा, बोरी, पेंच-मोगली, गंगऊ, संजय- दुबरी, बगदरा, सैलाना, गांधी सागर, करेरा, नौरादेही, राष्ट्रीय चम्बल, केन, नरसिहगढ़, रातापानी, सिंघोरी, सिवनी, सरदारपुर, रालामण्डल, केन घड़ियाल, सोन चिड़िया अभयारण्य घाटीगांव, सोन घड़ियाल अभयारण्य, ओरछा और वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य अपनी विशिष्ट पहचान के लिए देश में जाने जाते हैं जो विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों और वनस्पतियों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह सुखद है कि अब प्रदेश के भीतर बाघों की संख्या टाइगर रिजर्व की सीमाओं के बाहर भी तेजी से बढ़ रही है और बाघों की हलचल शहरी इलाकोंकी इंसानी आबादी के बीच भी महसूस की जा रही है। सतना से लेकर सीधी, शहडोल से अमरकंटक,डिंडौरी के लेकर मंडला तक में भी बाघों का कुनबा नई चहलकदमी कर रहा है। तीन बार टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में सबसे आगे है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में कुशल प्रबंधन और अनेक नवाचारी तौर तरीकों को अपनाया गया है। प्रदेश के टाइगर रिजर्व क्षेत्रों और चिड़ियाघरों में भी बाघ हैं, जहां इनका संरक्षण और प्रजनन होता है। जहाँ एक तरफ हाल के वर्षों में प्रदेश सरकार ने ईको विकास समितियों को प्रभावी ढंग से पुनर्जीवित किया है वहीं वाटरहोल बनाने और घास के मैदानों के रखरखाव और वन्य-जीव निवास स्थानों को रहने लायक बनाने के अनेक कार्यक्रम समय - समय पर भी चलाये हैं जिसका जमीनी असर अब दिखाई दे रहा है।

मध्यप्रदेश के टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में इस समय सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन है। टाइगर राज्य का दर्जा हासिल करने के साथ ही प्रदेश राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में आगे है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को की विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में अनुपम प्रबंधन योजनाओं और नवाचारी तरीकों को अपनाया गया है।

भोपाल में मंगलवार को नागपंचमी के अवसर पर मंदिरों में नागेश्वर महादेव की पूजा अर्चना की।

पूर्व सीएम कमलनाथ का सरकार पर हमला, बोले घोषणाओं और आश्वासनों की सरकार चल रही है

भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मंगलवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से चर्चा करते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार केवल घोषणाएं और आश्वासन देने का काम कर रही है, जिनका कोई ठोस आधार नहीं है। कमलनाथ ने तंज कसते हुए कहा कि यदि केवल घोषणाएं और आश्वासन देने के लिए पुरस्कार दिया जाए, तो मध्यप्रदेश को पहला पुरस्कार मिलना चाहिए। आज हर मुद्दे पर केवल आश्वासन ही दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कोई पूछे कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अब तक कितनी घोषणाएं की हैं, तो किसी के पास इसका कोई हिसाब-किताब नहीं होगा।

ओबीसी आरक्षण को बताया सामाजिक न्याय का विषय

ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर बोलते हुए कमलनाथ ने कहा कि यह सिर्फ ओबीसी का नहीं बल्कि न्याय और सामाजिक न्याय का सवाल है। कांग्रेस हमेशा से इस मुद्दे को उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। कमलनाथ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ओबीसी आरक्षण के आधे अधूरे कानून को लेकर दिए बयान प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैंने जब कदम उठाए थे तो किसी से छिपाकर नहीं किए थे। वह सब कुछ पारदर्शी था और जनता के सामने था। आज जो कुछ हो रहा है, वह जनता को भ्रमित करने की कोशिश है।

गाजा में अन्याय हो रहा है शोषण हो रहा है

सदन में ओपरेशन सिंदूर की बहस के समय मनीष तिवारी और शशि थरूर को दूर रखने पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, यह पार्टी का फैसला है मैं सोचता हूं यह सही फैसला था। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के गाजा और विदेश नीति पर उठाए सवाल पर कमलनाथ ने कहा कि गाजा में अन्याय हो रहा है शोषण हो रहा है। सोनिया जी ने सही कहा है।

एनएसयूआई का पीएनएसटी छात्राओं की मांगों को लेकर प्रदर्शन

भोपाल

राजधानी भोपाल में मंगलवार को तेज बारिश के बीच नर्सिंग छात्राएं सड़क पर बैठकर सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन करती नजर आई। लिंक रोड नंबर 3 पर भारी बारिश और जलभराव की परवाह किए बिना छात्राएं अपनी मांगों को लेकर डटी रहीं और जमकर नारेबाज़ी की। प्रदर्शन कर रहीं छात्राओं का कहना था, कि उन्होंने नर्सिंग की एलिजिबिलिटी टेस्ट (पीबी बीएससी/ जीएनएम) पास कर ली है, इसके बावजूद उन्हें सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में एडमिशन नहीं मिल रहा। छात्राओं ने आरोप लगाया कि शासन और विभाग की लापरवाही के कारण उनके भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (व्यापम / ईएसबी) द्वारा प्री-नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट (पीएनएसटी)-2022 की परीक्षा जून 2023 में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के परिणाम पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगा दी गई थी, लेकिन 27 मार्च 2025 को हाईकोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया। जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि आज दिनांक तक प्रवेश के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, जिसके चलते शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में सत्र 2022-23 की सभी सीटें खाली पड़ी हैं। इन सीटों पर प्रवेश के लिए छात्राएं हाईकोर्ट से लेकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन न्याय न मिला उनकी इस लड़ाई में एनएसयूआई पूरी मजबूती से साथ खड़ी हैं। प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने बताया कि प्रदेश की लगभग 60 हजार से ज्यादा छात्राओं ने पीएनएसटी-2022 की परीक्षा दी थी। इस परीक्षा के परिणाम पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी, जिसके कारण लगभग दो वर्ष तक रिजल्ट जारी नहीं किया गया बाद में हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि परीक्षा का परिणाम जारी किया जाए। हालांकि यह रिजल्ट छात्राओं की संतुष्टि के लिए औपचारिक रूप से जारी किया गया है ।

न्यूज ब्रीफ

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव गुप्ता को विदाई

भोपाल। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव के.सी. गुप्ता को स्थानांतरण पर राजभवन के जवाहर खंड में भावभीनी विदाई दी गई। नवागत प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी का आत्मीय स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर गुप्ता ने राजभवन में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए और अधिकारियों की कार्यकुशलता एवं विभिन्न आयोजनों की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। उन्होंने राजभवन में बिताए समय को अविस्मरणीय बताया। राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव सहित अन्य अधिकारियों ने गुप्ता के कार्यकाल से जुड़े संस्मरण साझा किए

स्कार्पियो की चपेट में आने से महिला की मौत

भोपाल। कोलार थाना इलाके में बीते दिनो सिक्सलेन रोड पर तेज रफ्तार स्कार्पियो की चपेट में आने से महिला की मौत के मामले में पुलिस ने स्कार्पियों में सवार दो लोगों को हिरासत में लिया। जांच के दौरान सामने आया है की स्कार्पियों में अवैध शराब थी, जिसे भोपाल के नेहरू नगर में डिलेवर करने के लिये मंडीदीप से लोड कराया गया था। पुलिस के अनुसार सर्वधर्म निवासी कुसुम कुशवाह बीती 16 जुलाई की रात करीब साढ़े दसे अपने बेट के साथ बाइक से जा रही थी। दानिशकुंज और बंजारी के बीच उन्हे तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी थी। इस दौरान पीछे से आर रही बोलेरो भी स्कार्पियो से टकराई थी। हादसे में कुसुम बाई की मौत हो गई थी। स्कार्पियो चालक हादसे के बाद वाहन सहित मौके से फरार हो गया था। आगे की जांच में पुलिस ने स्कॉर्पियो सवार लोगों की पहचान करने के लिए सड़को पर सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। एक्सीडेंट के समय यह बात सामने आई थी की शराब तस्करी के संदेह में एक वाहन का दूसरे वाहन का पीछा करने के दौरान यह हादसा हुआ था। बाद में पुलिस ने स्कार्पियो चालक को हिरासत में लिया जिससे पूछताछ में शराब तस्करी की बात सही पाई गई। स्कॉर्पियो में मंडीदीप से अवैध शराब भरी गई थी। इस शराब को नेहरू नगर इलाके के किसी गोदाम में सप्लाई किया जाता वहां से इसे आगे ठिकाने लगाया जाता। फिलहाल पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

दो साल की मासूम बच्ची की संदिग्ध हालत में मौत

भोपाल। गोविंदपुरा थाना इलाके में दो साल की मासूम बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुरुआती जांच में मासूम के बीते काफी समय से बीमार रहने की बात सामने आई है। मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार बरखेड़ा स्थित जय नगर बस्ती में रहने वाला अजय धनेरिया ने पुलिस को बताया की उसकी 2 साल की बेटी नैनसी धनेरिया को उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे थे। हॉस्पिटल में कुछ घंटो चले इलाज के बाद नैनसी की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। शुरुआती जांच में सामने आया है की मासूम नैनसी धनेरिया को मिर्गी रोग की बीमारी थी। उसका छह महीने पहले क्षय रोग का भी इलाज चला था।

नर्मदा भवन के कर्मचारी के सूने मकार पर चोरी

भोपाल। कमला नगर थाना इलाके में रहने वाले नर्मदा भवन के एक कर्मचारी के सूने घर को अपना निशाना बनाकर चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। थाना पुलिस के अनुसार कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित गीतांजलि कॉमप्लेक्स में रहने वाले सचिन कुलकर्णी पिता मोरेश्वर दामोदर कुलकर्णी (53) ने अपनी शिकायत में बताया की वह नर्मदा घाटी विकास परियोजना में नौकरी करते हैं। वहीं उनकी पत्नी एमपी नगर में एक निजी कंपनी में जॉब करती हैं।

विधानसभा में 2356 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

बजट में स्वास्थ्य, पुलिस, नगर विकास पर फोकस, उखड़ी सड़कों को सुधारने 100 करोड़ का बजट

भोपाल

विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 2025-26 के पहले अनुपूरक बजट को सदन में रखा। 2356 करोड़ के प्रस्ताव में प्रदेश में बारिश के कारण उखड़ी सड़कों के सुधार और नई सड़कों के निर्माण को लेकर मोहन यादव सरकार ने अपने पहले अनुपूरक बजट में 100 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया है। वहीं पुलिस और कानून व्यवस्था, नगरीय विकास और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा पर भी मोहन सरकार 100 करोड़ रुपए खर्च करेगी। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस पर 30 जुलाई को चर्चा होगी।

गृह विभाग के लिए प्रस्तावित अनुपूरक बजट में केंद्र और राज्य में पुलिस बल की प्रतिपूर्ति के लिए 5 करोड़ रुपए रखे गए हैं। साथ ही सरकार अपराध और अपराधी पतासाजी तंत्र और व्यवस्था के लिए उपकरणों की खरीदी करेगी, जिसके लिए 57 करोड़ रुपए के अनुदान की व्यवस्था अनुपूरक बजट में की गई है। विधानसभा में बुधवार को ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर चर्चा के बाद दो घंटे तक अनुपूरक बजट पर चर्चा करके उसे मंजूरी दी जाएगी।

पुलों के निर्माण के लिए राशि मांगी

लोक निर्माण विभाग के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। इसमें विशेष केंद्रीय सहायता योजना में बड़े पुलों का निर्माण करने के लिए 50 करोड़ रुपए, मुख्य जिला मार्गों के निर्माण और उन्नयन के लिए 40 करोड़ रुपए और नव से वित्त पोषण कर सडक़ निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपए की बजट की जरूरत बताते हुए अनुपूरक बजट में मांगे गए हैं। वहीं नगरीय विकास एवं आवास विभाग के लिए यूनिटी माल निर्माण करने 142 करोड़ के बजट की प्रतिपूर्ति का भी प्रावधान किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन के विकास कार्यों के लिए 11 करोड़ 43 लाख बजट में रखे गए हैं। इसके माध्यम से विश्वविद्यालय के भूमि और भवन का काम कराया जाएगा।

कभी भैंस कभी गिरगिट के साथ प्रदर्शन कर रही कांग्रेस, सीएम बोले- मर्यादा जरुरी

मध्य प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस लगातार विधानसभा पर प्रदर्शन कर रहा है। सोमवार को सदन के बाहर गिरगिट का प्रतीक यानी खिलौना लेकर प्रदर्शन किया और मंगलवार को दो विधायकों को भैंस के मुखौटे पहनाकर प्रदर्शन किया। इस पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने तंज कसते हुए प्रश्नकाल के दौरान कहा कि ये आज नागपंचमी पर भैंस लेकर आए है। कभी गिरगिट लेकर आते है। आप चुने हुए प्रतिनिधि हैं। मर्यादा बनाकर रखना चाहिए। विधानसभा के बाहर कांग्रेस विधायकों ने भैंस के आगे बीन बजाई। कांग्रेस के दो विधायकों को सांकेतिक रूप से भैंस बनाया गया था। किसानों के मुद्दे पर यह प्रदर्शन किया गया। विपक्ष ने कहा कि किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। सरकार में अन्नदाताओं की सुनवाई नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर कहा– मैंने सदन में भी विपक्ष के सदस्यों से कहा है कि आप ढाई लाख से ज्यादा वोटरों के बीच में से चुनकर आते हैं तो अपनी मर्यादा के आधार पर आपको पूरा अधिकार है। आप सदन में बोलें, महात्मा गांधी के सामने जो बात रखना है, वह रखें।आपको तो फर्क पड़ता नहीं है। लेकिन मुझे तो उन वन्यप्राणी पर दया आती है जो हंसते हुए सोचते होंगे कि यह हमारा रूप बनाकर भैंस क्यों बनना चाहते हैं? मनुष्य योनि को बदनाम कर रहे हैं।कभी गिरगिट बनकर अपनी बात रखते हैं। यह कांग्रेस का रंग बदलने का चरित्र आजादी के बाद से दुनिया ने देखा है। प्रदेश ने देखा है। कांग्रेस हमेशा दो रंग के चरित्र से जीती है तो वह अपने चरित्र को सामने क्यों बता रही है। हम सब जानते हैं कि उनके जमाने में भैंस के आगे बीन बजाने जैसा काम ही चलता था।

विभाग के लिए अनुपूरक बजट में सबसे अधिक 1630 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। बजट प्रस्ताव में विभाग को स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा लागू करने के लिए 400 करोड़ 31 लाख 25 हजार रुपए की जरूरत है, जिसके लिए अनुपूरक बजट में प्रावधान कियाहै।

कॉल सेंटर-नियंत्रण कक्ष के लिए 62 करोड़ का प्रावधान

केंद्रीयकृत पुलिस कॉल सेंटर और नियंत्रण कक्ष सिस्टम के लिए 62 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा

अनुसूचित जनजाति के लिए मांगे 150 करोड़

इसी तरह अनुसूचित जनजाति सेगमेंट के लिए 150.98 करोड़ रुपए रखे गए हैं। साथ ही वृहद निर्माण और सामान्य सेगमेंट के नाम पर 588.09 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति सेगमेंट और वृहद निर्माण के लिए 127.36 करोड़ रखे गए हैं। इस विभाग के लिए सबसे अधिक 1630 करोड़ रुपए अनुपूरक बजट में रखे गए हैं जिसे कल मंजूरी मिलेगी।

सदन में सुनाई दी लाड़ली बहना योजना की गूंज

मध्य प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही शुरू हो गई है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रश्नकाल नए विधायकों, महिलाओं को समर्पित है। वहीं सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। एमपी विधानसभा में लाडली बहना योजना के मुद्दे की गूंज सुनाई दी। लाडली बहना योजना के कलैंडर वितरण में विधायक अनुभा मुंजारे ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने बालाघाट में कैलेंडर वितरण को लेकर सवाल पूछा। इस पर मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि 361832 में से 164000 कैलेंडर का वितरण नहीं किया। जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जा रही है। पूर्व मंत्री बाला बच्चन ने मुख्यमंत्री से जवाब मांगने की बात कही हैं। उन्होंने कहा कि 16 जवाब मुख्यमंत्री के विभाग के लगे हैं। अधूरी जानकारी दी जाती है।

दोबारा तबीयत बिगड़ने के बाद मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। शहर के रातीबड़ थाना इलाके में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया गया है की दिन के समय उसकी तबीयत बिगड़ पर उसे अस्पताल ले जाया गया था। वहां से इलाज के बाद उसे वापस भेज दिया गया। बाद में रात के समय उसकी दोबारा तबीयत बिगड़ी तब उसे हमीदिया अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस के अनुसार मूलतः बैतूल जिले का रहने वाला कृष्णपट पिता शैलेंद्र (38) फिलहाल रातीबड स्थित सूरज नगर में रहते हुए सेंट्रल पार्क में मजदूरी करता था। 27 जुलाई को दिन के समय उसकी तबीयत खराब हो गई थी। इलाज के लिये उसे सूरज नगर में ही डॉक्टर के पास ले जाया गया, वहां से इलाज के बाद वह घर चला गया। बाद में रात दस बजे उसकी दोबारा तबीयत खराब हो गई। सेंट्रल पार्क का ठेकेदार शाहनवाज उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां शुरुआती चेकअप के बाद ही डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये भेज दिया है। जांच टीम का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण साफ हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की जांच की दिशा तय की जायेगी।

हॉस्पिटल में भर्ती विवाहिता ने तीन दिन बाद तोड़ा दम

भोपाल

शहर की कोतवाली थाना इलाके में रहने वाली विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने की घटना सामने आई है। बताया गया है की तीन दिन पहले अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिवार वालो ने इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने पर ही मौत का कारण साफ हो सकेगा। थाना पुलिस के अनुसार इमामीगेट के पास रहने वाले भोजराम कावड़े पहले एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। कुछ महीनो पहले उसकी जॉब छूट गई है। उसने पुलिस को बताया की उसकी पत्नि दीपिका कावडे (35) अक्सर बीमार रहती थी। उसका लंबे समय से इलाज भी चल रहा था। 25 जुलाई को भी उसकी तबीयत खराब होने पर उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल में इलाज के दौरान बीती अलसुबह उसकी मौत हो गई।

ईओडब्ल्यू ने मंडला में जगदीश सरवटे के रिसोर्ट, रेस्टोरेंट, होटल सहित भोपाल के फ्लैट पर मारा छापा

भोपाल

ईओडब्ल्यू जबलपुर द्वारा जगदीश प्रसाद सरवटे, उप आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग, जबलपुर के मण्डला स्थित रिसोर्ट, रेस्टोरेंट, होटल सहित भोपाल में कोरलवुड में स्थित उसके फ्लैट पर छापामार कार्यवाही की। इस सर्चिंग के दौरान जगदीश प्रसाद सरवटे की काली कमाई का आंकड़ा और बढ़ गया है, जांच के दौरान बेहिसाब अनुपातहीन संपत्ति का खुलासा हुआ है। विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ईओडब्ल्यू, जबलपुर द्वारा 22 जुलाई 2025 को की गई छापामार कार्यवाही के क्रम में टीम ने जगदीश प्रसाद सरवटे, उप आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग, जबलपुर के मंडला और भोपाल में कोरलवुड स्थित आरोपी के फ्लैट पर सर्च कार्यवाही की गयी। इस दौरान जगदीश प्रसाद सरवटे और उसके परिजनों के नाम से बेहिसाब संपत्तियों से संबधित जानकारी मिली है। इनमें बीमा कंपनियों में 28 लाख 76 हजार 418 रूपये, मण्डला स्थित रिसोर्ट, रेस्टोरेंट, होटल की जानकारी मिली।

शारिक मछली के गुर्गो की गुंडागर्दी पर पुलिस का शिकंजा, हथाईखेड़ा डैम पर युवकों से मारपीट करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार, निकाला जुलूस

भोपाल

राजधानी भोपाल के अयोध्या थाना क्षेत्र स्थित हथाईखेड़ा डैम पर मछली पकड़ने गए युवकों के साथ शारिक मछली के गुर्गो द्वारा की गई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई। वीडियो के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अयोध्या नगर पुलिस ने इस मामले में कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अमन सूर्यवंशी, आमिर उर्फ अप्पू शेख और तीन नाबालिग शामिल हैं। सभी आरोपी हथाईखेड़ा डैम के आसपास के ही रहने वाले हैं और शारिक के लिए काम करते हैं, जिसका डैम पर मछली पालन करने का ठेका है। पुलिस ने आरोपियों की दहशत खत्म करने के लिये क्षेत्र में उनका जुलूस भी निकाला। बताया जा रहा है, कि कुछ युवक हथाईखेड़ा डैम पर मछली पकड़ने गए थे, तभी शारिक के गुर्गो ने उन्हें पकड़ लिया और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट का वीडियो किसी स्थानीय युवक ने बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है, मामले में आगे की जांच जारी है।

खास | मजदूर युवक ने जीजा के साथ मिलकर लिया खौफनाक बदला

कॉन्ट्रैक्टर कपिल शर्मा के सनसनीखेज अंधे कत्ल का खुलासा

भोपाल

राजधानी के देहात क्षेत्र के थाना सूखीसेवनिया में बीते दिनों हुए कॉन्ट्रैक्टर कपिल शर्मा के अंधे कत्ल की गुत्थी आखिरकार 24 दिन बाद सुलझाते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि कपिल की हत्या उसी के गोदाम में काम करने वाले नौकर दीपक साहू और उसके जीजा पप्पू ने मिलकर की थी। आरोपी दीपक ने मृतक कपिल शर्मा द्वारा मजदूरी के पैसे न बढ़ाने और मारपीट से नाराज होकर अपने जीजा के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई और मौका मिलते ही रस्सी से गला घोटने के बाद कटर से उसका गला रेत कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल रस्सी, कटर और मृतक मोबाइल, लेपटॉप बरामद कर लिया है। आरोपियों ने एक वेब सीरीज देखकर को हत्या की खौफनाक योजना बनाई थी।

देहात एसपी प्रमोद सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा करते हुए बताया कि मृतक कपिल शर्मा सुखीसेवनिया थाना क्षेत्र में निर्माण सामग्री का ठेकेदार था। आरोपी दीपक साहू बीते पांच सालो से कपिल के गोदाम में काम कर रहा था। लंबे समय से वेतन नहीं बढ़ाए जाने को लेकर कपिल नाराज था और इसी रंजिश में उसने अपने जीजा के साथ मिलकर हत्या की साजिश रचते हुए उसे अंजाम भी दे डाला।

घटना की रात ऐसे दिया वारदात को अंजाम

घटना वाले दिन दोनों आरोपी जीजा-साले दीपक साहू और पप्पू ने कपिल के साथ शराब पी। फिर बातचीत का बहाना बनाकर कपिल को सुनसान इलाके में ले गए। वहां पहले कपिल का गला रस्सी से दबाया और फिर धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी उसकी गले की चेन, लैपटॉप, मोबाइल, प्रिंटर और 9 हजार रुपए भी लेकर फरार हो गए।

6 जुलाई को सुनसान इलाके में कार में मिला था शव

सूखीसेवनिया थाना पुलिस ने पिपलिया जाहिर पीर स्थित बीजासेन फार्म हाउस के पास कार की ड्राइविंग सीट पर संत आशाराम नगर बागसेवनिया निवासी कपिल शर्मा पुत्र भूपेन्द्र शर्मा (46) की लाश बरामद की थी। कपिल शर्मा सीविल इंजीनियर था और प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। वह 3 जुलाई को अपने घर से काम के सिलसिले में निकला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साफ हुआ कि उसकी हत्या धारदार हथियार से की गई है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया। पीएम रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई थी कि कपिल शर्मा की करीब तीन दिन पहले किसी हथियार से गला रेत कर हत्या की गई थी। उसके गले पर चोट के निशान मिले थे। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने एसआईटी का गठन किया और जांच का दायरा बढ़ाया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय मैहर में हुआ अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन

मैहर

आज दिनांक 29 /07/ 2025 को पुलिस अधीक्षक मैहर श्री सुधीर अग्रवाल द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक श्री महेन्द्र सिंह एवं जिले के समस्त थाना प्रभारियों की उपस्थिति रही । बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के त्वरित निराकरण, तथा पुलिस कार्यप्रणाली में और अधिक दक्षता लाना रहा।

बैठक की शुरुआत जिले में लंबित अपराधों एवं शिकायतों की समीक्षा से की गई। पुलिस अधीक्षक महोदय ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समस्त लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए, जिससे पेंडेंसी को शीघ्र कम किया जा सके । इसके साथ ही जिले में लंबित समंस/वारंटों की शीघ्र तामीली, सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों का निराकरण, अपहृत बालिकाओं की दस्तयाबी ,जिले में मादक पदार्थों की बिक्री एवं सेवन, जुआ-सट्टा जैसे असामाजिक कृत्यों में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अपराध समीक्षा बैठक के बाद पॉक्सो प्रकरणों की समीक्षा हेतु स्पेशल टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई । जिसमें अति. जिला अभियोजन अधिकारी श्री गणेश पांडे उपस्थित रहे । बैठक में विभिन्न थानों में पॉक्सो एक्ट के लंबित मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए । साथ ही पॉक्सो के दोषमुक्ति प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

उक्त बैठक उपरांत महिला एवं पॉक्सो प्रकरणों में संवेदनशीलता बनाये रखने हेतु प्रशिक्षण आयोजित किया गया । जिसमें अति. जिला अभियोजन अधिकारी श्री गणेश पांडे द्वारा उक्त मामलों में एफ.आई.आर. के दौरान समुचित धाराओं के प्रयोग एवं विवेचना व अभियोजन साक्ष्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया । साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला एवं बालक बालिकाओं संबंधी अपराधों के प्रति संवेदनशीलता दर्शाते हुए इन मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिये।

जिलेभर में 'नशे से दूरी है जरुरी ' की गूंज ,पुलिस का जन-जागरूकता अभियान जारी'

छात्र, छात्राओ, कर्मचारियों एवम आम नागरिकों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प अमरपाटन में जन-जागरूकता रैली का आयोजन

पुलिस मुख्यालय के निर्देशन एवम पुलिस अधीक्षक मैहर श्री सुधीर अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक चल रहे ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज 15 वें दिन विवेकानंद कॉलेज मैहर एवं एकलव्य आवासीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में थाना कोतवाली की पुलिस टीम द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ अभियान के उद्देश्य, महत्व एवं समाज पर इसके दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी बच्चों को जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार का नशा न करने की सामूहिक शपथ दिलाई गई एवं हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से नशामुक्त जीवन का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक मोहिनी शर्मा, विवेकानंद कॉलेज के प्राचार्य , स्टाफ एवं खेल कोच तथा आवासीय विद्यालय के प्राचार्य, स्टाफ एवं खेल कोच व मैहर थाने का स्टाफ उपस्थित रहा ।

थाना अमरपाटन पुलिस के द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के साथ संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जन-जागरूकता हेतु बाल भारती पब्लिक स्कूल के बच्चों की रैली निकाली गई। रैली स्कूल परिसर से प्रारंभ होकर क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस स्कूल पहुंची। रैली के दौरान नशा विरोधी नारे और पोस्टर के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया । उक्त कार्यक्रम में खेल एवं युवा कळ्याण विभाग के अधिकारी एवं थाना अमरपाटन से उपनिरीक्षक सुशील तिवारी व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा थाना ताला से उपनिरीक्षक नागेश्वर मिश्रा एवम स्टाफ के द्वारा ग्रामीण इलाकों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर शपथ दिलाई गई।

अधिकारियों की उपस्थिति में नष्ट किया गया लगभग 8 क्विंटल नकली घी

पन्ना।

खाद्य सुरक्षा विभाग स्वास्थ्य विभाग एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम द्वारा आज 28 जुलाई 2025 को लगभग 8 क्विंटल नकली घी का विनष्टीकरण किया गया है। बता दें कि 30 जून 2024 को थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना रोहित मिश्रा को सूचना प्राप्त हुई कि इंद्रपुरी कॉलोनी में नकली घी बनाने का कारखाना चल रहा है थाना प्रभारी द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश राय को जानकारी देकर संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई जहां 15-15 लीटर के 56 डब्बों में संदिग्ध घी मिलने पर सैंपल जांच के लिए लैब में भेज कर कारखाना सील कर दिया गया। जांच रिपोर्ट आने के बाद न्यायालय द्वारा फैसला करते हुए आरोपी इंद्रजीत गुप्ता के खिलाफ 1 लाख 50 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया। इसके बाद 28 जुलाई 2025 को उक्त लगभग 8 क्विंटल घी नगर पालिका के विनष्टीकरण वाहन से नगर के बाहरी क्षेत्र में जेसीबी से गड्ढा खुदवा कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी के द्वारा स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका एवं पुलिस की उपस्थिति में नष्ट कर दिया गया है।

सागर में विशाल निरंकारी आध्यात्मिक सत्संग 31 को

सागर

निरंकारी मिशन सागर द्वारा निरंकारी विशाल आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन 31 जुलाई दिन गुरुवार को होटल पैराडाइज में सुबह 11ः00 बजे से 1ः00 बजे तक रखा गया है । कार्यक्रम में निरंकारी मिशन के राजपिता आदरणीय रमित जी का शुभ आगमन होने जा रहा है। जिनके सानिध्य में सत्संग कार्यक्रम होगा। नारायण दास निरंकारी जोनल इंचार्ज सागर ने बताया कि कार्यक्रम सुबह 11ः00 बजे से 1ः00 बजे तक उसके बाद लंगर परसादी की व्यवस्था की गई है । इस कार्यक्रम में सागर के अलावा इंदौर,भोपाल, विदिशा, उज्जैन, गुना, बीना, खुरई, रहली, गड़ाकोटा, बंडा से संत पधारेंगे । जोनल इंचार्ज सागर नारायण दास निरंकारी ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओ से अपील की है कि इस संत समागम में पधारकर धर्म लाभ अर्जित करे।

सांसद की सौगात : आने वाले समय में बीना शहर में भारी वाहनों की नो एंट्री; ग्रामीण अंचलों में मिलेंगे 5जी नेटवर्क

सागर

आने वाले समय में जल्द ही बुंदेलखंड अंचल के सागर जिले के बीना शहर में अब भारी वाहनों की ÷नो एंट्री÷ होगी! भारी वाहनों के शहर में प्रवेश करने से जहां ट्रैफिक अनकंट्रोल होता है वही शहरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जनता की इस बहुप्रतीक्षित मांग को लेकर सांसद श्रीमती डॉक्टर लता वानखेड़े के प्रयासों से यह समस्या हल हो गई है। भारत सरकार के मंत्री नितिन गडकरी ने श्रीमती वानखेड़े की मांग पर बीना में रिंग रोड को हरी झंडी दी है। इस रिंग रोड के बन जाने से ट्रैफिक का दबाव शहर में नहीं होगा; जाम की समस्या से लोगों को निजात मिलेगी। इसके अलावा सागर लोकसभा क्षेत्र के गांव गांव में 4त्न और 5त्न नेटवर्क की सुविधा मिलेगी। नए टावर लगेंगे और भारत नेट योजना के तहत फाइबर कनेक्टिविटी को लागू किया जाएगा। श्रीमती वानखेड़े की इस मांग को भी केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ÷ओके÷ किया है। श्रीमती वानखेडे हर केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर अपने क्षेत्र और जनता की सुविधाओं के लिए मांग पत्र सौंपती है। जनता के आशीर्वाद से रिकॉर्ड 4 लाख हजार 222 मतो से जीत कर संसद में प्रतिनिधित्व करने वाली श्रीमती वानखेड़े को सागर को विकास का महासागर बनाने की तड़फ है। अपने अमूमन एक साल के कार्यकाल में उन्होंने सागर लोकसभा क्षेत्र के लिए कई सौगातें दी हैं! ट्रेनों के स्टॉपेज की बात करें या अमृत योजना के तहत बन रहे रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों को समय सीमा में पूरा करने की सांसद हमेशा जनता के हितों की बात कर रही है। पिछले साल कोर्ट परिसर में 28 अगस्त को शुरू हुए सांसद संवाद केंद्र में आने वाली शिकायत और समस्याओं का समाधान भी तीव्र गति से हो रहा है। जिस आशा के साथ जनता संवाद केंद्र में पहुंच रही है उन्हें उनकी उम्मीद में पूरी हो रही है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने किया पुरस्कार वितरण समारोह

शिवपुरी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई दिनारा के द्वारा राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था । नगर मंत्री पीयूष भार्गव ने बताया इस प्रतियोगिता में नगर के विभिन्न स्कूलों और कोचिंग के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने लेखन कौशल का प्रदर्शन किया था। प्रतियोगिता के दौरान, विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों के निबंधों का मूल्यांकन किया और तीन प्रमुख विजेताओं का चयन किया।

प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार हर्षराज सक्सेना को दिया गया, जिन्होंने अपने निबंध खेलो के महत्व को बहुत अच्छी तरह से प्रस्तुत किया। द्वितीय पुरस्कार शिवकांत कुशवाहा को दिया गया, । तृतीय पुरस्कार आदर्श यादव को दिया गया, जिन्होंने अपने निबंध में लोकतंत्र के भविष्य , संभावनाएं व खतरों पर चर्चा की। अन्य को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए । कार्यक्रम मे नगर मंत्री पीयूष भार्गव उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आदर्शों और मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया । नगर अध्यक्ष प्रशांत परिहार ने भी अपने विचार छात्रों के बीच रखे। इस कार्यक्रम मैं मौके पर उपस्थित नगर अध्यक्ष प्रशांत परिहार, नगर उपाध्यक्ष हर्ष भार्गव, नगर सहमंत्री राज भार्गव , प्रदीप दुबे, नितिन साहू , आदि अन्य कार्यकर्ता ,प्राध्यापक, कोचिंग संचालक एवं स्कूल और कोचिंग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विजेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि इस प्रतियोगिता ने हमें अपने कौशल को दिखाने का अवसर दिया और हमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बारे में जानने का अवसर मिला ।

भगौरी में पीएम रोड की दोनों पुलियाओं पर पानी होने से गांव वाले परेशान

माचलपुर

समीप के ग्रामभगोरी में प्रधानमंत्री सड़क माचलपुर से भगोरी एवं दूसरी सड़क भगोरी से भगोरा सड़क जोड़ तक बनी हुई है, लेकिन दोनों मार्गों पर बनी हुई दोनों पुलियांकी ऊंचाई कम होने से वर्षा काल में अधिक पानी गिरने से दोनों पुलियाओं के ऊपर अधिक पानी होने से ग्राम वासियों का माचलपुर सहित भगोरा जाने का संपर्क टूट जाता है। ग्राम पंचायत भगोरी के सरपंच प्रतिनिधि हरपाल सिंह कुशवाह ने बताया की ग्राम में कोई व्यक्ति बीमार हो जाए तो पुलियाओं पर पानी होने की वजह से वह इलाज के लिए नतो माचलपुर अस्पताल जा सकता है और नहीं भगोरा जा सकता है इसके साथ ही वह किसी भी आवश्यक कार्य से बाहर गांव कहीं भी नहीं आ जा सकता एवं ग्राम वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है ग्राम सरपंच प्रतिनिधि हरपाल सिंह कुशवाह एवं ग्राम वासियों ने दोनों पुलिया की ऊंचाई बढ़ाकर बनाने की मांग प्रशासन से की है। सरपंच प्रतिनिधि ने बताया कि हमारे द्वारा इसकी शिकायत कई बार प्रधानमंत्री सड़क के अधिकारियों से भी की गई परंतु उनके द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। प्रधानमंत्री रोड़ की पुलिया पर पानी होने से गांव वालो को कई समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है मरीजों एवं डिलेवरी वाली महिलाओं को खटिया पर निकाला गया। यह सब प्रधानमंत्री रोड़ के ठेकेदार की लापरवाही से गांव वालों को कई समस्याओ का सामना करना पड़ रहा हे समस्या इतनी है की पुलिया पर पानी होने से मरीज को मरने के अलावा कोई चारा नहीं हे क्यों की पुलिया पर पानी होने से बाहर नहीं ले जा सकते हे

रक्त सेवा समिति, रजत जयंती पर नशा मुक्ती के लिए करेगी जन जागरण

गंज बासौदा

रक्त सेवा समिति अपनी रजत जयंती वर्ष का शुभारंभ 12 अगस्त 2025 को करेगी। जिसमें स्वैच्छिक रक्तदान एवं नगर को नशा मुक्त बनाने के लिए जन जागरण अभियान प्रारंभ करेगी। यह निर्णय विगत दिवस रक्त सेवा समिति की बैठक में लिया गया। रविवार को रक्त सेवा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक, डॉल्फिन विद्यालय में आयोजित की गई। जिसमें नगर के अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, समिति सदस्य सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में रक्त सेवा समिति की स्थापना के 25 वर्ष होने पर रजत जयंती वर्ष मनाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। यह रजत जयंती वर्ष 12 अगस्त से प्रारंभ होगा। इस उपलक्ष में वर्ष भर के होने वाले कार्यक्रमों के रूपरेखा भी तैयार की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने बैठक में अपने-अपने सुझाव दिए। समिति द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए यह तय किया गया कि समिति नगर वासियों को स्वैच्छिक प्रेरणा से रक्तदान करने के लिए अभियान चलाएगी साथ ही युवाओं के बीच तेजी से बढ़ते नशे के प्रकोप को रोकने के लिए एक जन जागरण अभियान चलाएगी एवं इसके लिए एक रैली भी आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर बैठक में संस्था के संस्थापक राजेश तिवारी, अध्यक्ष राकेश जैन, सचिव अनिल दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विशाल शोभायात्रा का हुआ आयोजन, धूम धाम से मनाया नागपंचमी महोत्सव

चंदेरा

नागपंचमी महोत्सव को चौरसिया दिवस के रूप में स्थानीय चौरसिया समाज द्वारा उल्लासपूर्ण ढंग से मनाया गया। सुबह से ही ग्राम में स्थित मां मैलवार के मंदिर मे भक्तो का ताता लगा रहा जिस दौरान मंदिर में समाज के लोगो द्वारा पूजा अर्चना एवम प्रसाद वितरण का दौर चलता रहा। इसके पश्चात ग्राम में एक विशाल शोभायात्रा का आयोजन स्थानीय चौरसिया समाज द्वारा किया गया। जिले में चंदेरा ग्राम चौरसिया समाज की नगरी के रूप में पहचाना जाता है। वहीं माँ मैलवार मंदिर से शोभायात्रा का आरंभ किया गया, जिसमे दर्जनों घोड़े आंगे चलकर शोभा बढ़ा रहे थे वहीं युवा वर्ग डीजे पर थिरकता नजर आ रहा था। शोभायात्रा ग्राम के मुख्य मार्गो साहू मुहल्ला, अंबेडकर तिराहा बस स्टैंड, चौरसिया मुहल्ला, गंज मुहल्ला, बेजली आदि मार्गों से होकर गुजरी जिसका जगह जगह स्वागत किया गया, इसके पश्चात बापस मंदिर पहुंची। चौरसिया समाज के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष एन डी चौरसिया द्वारा शेषनाग की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए पूजा अर्चना की गई एवं उन्होंने कहा कि अगर समाज एक साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़े तो हमारी पहचान एक उन्नत समाज के रूप में होगी। वहीं समाज मे प्रतिभाओं की कोई कमी नही है जिसका उदाहरण हर वर्ष हायर सेकंडरी एवं हाई स्कूल में देखने को मिलता है जहां समाज के बच्चे हर साल टॉप करते है। शोभायात्रा में प्रमुख रूप से लखन लाल चौरसिया, अनन्तराम चौरसिया, कालका प्रसाद चौरसिया, राकेश चौरसिया, चिंतामन चौरसिया, भूपेंद्र चौरसिया, देवेंद्र चौरसिया, राजकिशोर चौरसिया, प्रकाश चौरसिया, मूलचंद्र चौरसिया, गोली चौरसिया, कैलाश चौरसिया, उमेश चौरसिया, अशोक चौरसिया, भजन लाल चौरसिया,जमना प्रसाद चौरसिया, जगदीश चौरसिया,शंकर चौरसिया, सुंदर लाल चौरसिया ,जितेंद्र चौरसिया, भगीरथ पप्पू भूमिया, रामू बालाराम चौरसिया सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी।

अतिवृष्टि, नदी नाले उफान पर, बस्तियों में घुसा पानी

गंज बासौदा

पिछले 40 घंटे से अनवरत हो रही अतिवृष्टि से गंजबासौदा नगर समेत आसपास का क्षेत्र जलमग्न हो गया है। बेतवा सहित आसपास के सभी नदी नाले उफान पर हैं। शहर की कुछ बस्तियों के घरों में पानी घुसने की जानकारियां भी सामने आईं हैं। नगर पालिका सहित शासन प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे भारी बारिश के चलते कोई अप्रिय घटना ना घट पाए। सावन के सोमवार के दिन नगर में बारिश की झड़ी ऐसी लगी कि मंगलवार शाम तक पानी बिना रुके गिर रहा है। पिछले 40 घंटे से हो रही लगातार बारिश ने शहर को पूरी तरह तरबतर कर दिया है। नगर के पास से बहने वाली बेतवा हो या नगर के मध्य से बहने वाली पाराशरी, सभी नदी नाले उफान पर हैं। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी सभी नदी नाले, इस अतिवृष्टि के चलते पुल पुलियों के ऊपर से बह रहे हैं। नगर में नगर पालिका सहित शासन एवं प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी अधिक पानी वाली जगह पर दौरा कर रहे हैं साथ ही मुनादी करके लोगों से सुरक्षित जगह पर जाने की अपील भी कर रहे हैं।

बेतवा गंज घाट पर पुल के ऊपर, पाराशरी भी लबालब

खबर लिखे जाने तक जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार गंज घाट पर बेतवा, पुल से 1 फीट ऊपर बह रही है वहीं नगर के मध्य से बहने वाली पाराशरी नदी भी पलोड़ पेट्रोल पंप वाले पुल के ऊपर से बह रही है। शहर के चार खंबा गली, वार्ड क्रमांक 07, भावसार पुलिया, केशव वाटिका , पंचपीर, नई बस्ती आदि क्षेत्रों में नालों में ज्यादा पानी आ जाने से गलियों और घरों में घुस गया है। नगर पालिका सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव समेत प्रशासनिक अमला ऐसे क्षेत्रों में पहुंच कर प्रभावित लोगों से बात कर रहे हैं।

थाना कालीपीठ पुलिस की बड़ी कार्रवाई वाहन चेकिंग के दौरान पिकअप से पकड़े गए 12 चोर, चोरी की गई 10 भेड़ें बरामद

राजगढ़

थाना कालीपीठ में इस्तगासा क्रमांक 02/25 धारा 35(1)(ड) बीएनएसएस 303(2) बीएनएस पर कायम कर कुल मशरूका 5 लाख 53500 /- रुपये जब्त किये। जिले में नकबजनी और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत, पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अमित तोलानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे एवं एसडीओपी राजगढ़ अरविंद सिंह राठौर के निर्देशन में, थाना प्रभारी कालीपीठ उनि. जितेन्द्र अजनारे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई। दिनांक 28.07.2025 को थाना प्रभारी के निर्देशानुसार डेडीया जोड़ पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान एक पिकअप वाहन को रोका गया। वाहन क्रमांक MP-39-G-3867 में सवार 12 व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत हुए। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 10 भेड़ें पाई गईं। पूछताछ पर संतोषजनक उत्तर न मिलने पर सख्ती से पूछने पर आरोपियों ने भेड़ें चोरी कर लाना स्वीकार किया। उक्त प्रकरण में मौके पर जप्ती पंचनामा तैयार कर 10 भेड़ें (अनुमानित कीमत 1,50,000 रूपए) व घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन जब्त कर पुलिस कब्जे में ली गईं। सभी 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध विधिवत प्रकरण दर्ज किया गया साथ ही आरोपियों से अन्य नकबजनी एवं चोरी की वारदातों में संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। 1. सुरेश पिता कल्याण सिंह भील, उम्र 33 वर्ष, निवासी ग्राम कालापीपल, थाना चांचौड़ा, जिला गुना 2. रामबाबू पिता देवचंद तंवर, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम खानपुरिया, थाना मनोहरथाना, जिला झालावाड़ (राज.) 3. महेन्द्र पिता लक्ष्मण तंवर, उम्र 25 वर्ष, निवासी कालापीपल, थाना चांचौड़ा, जिला गुना 4. कमलेश पिता फूलचंद भील, उम्र 29 वर्ष, निवासी सेमली, थाना चांचौड़ा, जिला गुना5. जगदीश पिता चेनसिंह तंवर, उम्र 26 वर्ष, निवासी कालापीपल, थाना चांचौड़ा, जिला गुना6. इंदर पिता धुलीलाल तंवर, उम्र 30 वर्ष, निवासी कालापीपल, थाना चांचौड़ा।

जिला अस्पताल में नवजात शिशु की मृत्यु के संबंध में जांच करने पहुंची सीएमएचओ

राजगढ़

मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुजनेर से राजगढ़ जिला अस्पताल (एसएनसीयू) में रेफर किए गए नवजात शिशु की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। जिसकी जांच के लिए मंगलवार को सीएमएचओ डॉ. पटेल खुजनेर अस्पताल पहुंची। प्रारंभिक जांच कर चुके सीबीएमओ डॉ. एस.के. मित्तल ने बताया कि बच्चा जन्म के समय रोया नहीं था और उसकी हालत ठीक नहीं लग रही थी इसलिए उसे राजगढ़ जिला अस्पताल के एसएनसीयू में रेफर करने का निर्णय लिया। बच्चे को भरे हुए ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ जिला अस्पताल रेफर किया था। जिस समय बच्चे को रेफर किया था उस समय उसका ऑक्सीजन सिचुएरेशन 98 प्रतिशत था। वहीं बच्चे के पिता सुमित नागर पिता मांगीलाल नागर ने लिखित में खुजनेर अस्पताल की स्वास्थ सेवाओं से किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं होने की बात कही है।

नहीं सुनी जा रही ग्रामीणों की समस्या पुल क्षति ग्रस्त होने से दस गांव के ग्रामीण प्रभावित

जान जोखिम में डालकर पुल पार करने को मजबूर ग्रामीण

विधायक PWD कलेक्ट्रेड के चक्कर काट रहे ग्रामीण किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रही शासन प्रशासन

दुर्गेश बर्मन /डिंडौरी /फतवा

डिंडोरी जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया 2 और मोहदा के बीच में बनी पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाने से आवागमन में हो रही परेशानियां जिससे 10 गांव के ग्रामीण हो रहे प्रभावित ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव सहित ग्रामीणों ने नवीन पुलिया निर्माण कराए जाने को लेकर पूर्व में भी कलेक्टर को लिखित आवेदन दिया था आवेदन में उल्लेख किया गया था की पुलिया क्षतिग्रस्त है अनेकों बार दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं साथ ही बारिश के दौरान पुल के ऊपर से बाढ़ होने से आवागमन बाधित हो जाता है और पढ़ने वाले बच्चों के साथ-साथ सभी ग्रामीणों को तेज बहाव के बाद भी पुल पर कर अपने-अपने गंतव्य को जाना पड़ता है कई बार तो तेज बहाव से स्कूली छात्र छात्रा कुछ दूर तक बहाव की चपेट में भी आ जाते है पूर्व में एक गर्भवती महिला की बाढ़ में बहने से मौत भी हो गई थी ग्रामीणों ने समस्या की समाधान के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग में भी आवेदन दिया था लेकिन बजट न होने का हवाला देकर ग्रामीणों की समस्या को दरकिनार कर दिया

गया था ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में प्राप्त निधि से पुल निर्माण अनुमति मांगी थी लेकिन आज तक वही भी नहीं हो सका पूर्व में जनसुनवाई में आवेदन दिया गया था उसे दौरान एसडीएम द्वारा पीडब्ल्यूडी विभाग को इस्टीमेंट बनाने की आदेश दिए गए थे जनपद सीईओ ने भी लिख कर दिया था कि पुल क्षतिग्रस्त है नया पुल निर्माण करना अति आवश्यक है ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अधिकारी के अनुसार यह रोड पीडब्ल्यूडी के अंदर में आता है जिससे यह उक्त विभाग द्वारा ही कराया जाएगा लेकिन आज दिनांक तक ना पीडब्ल्यूडी विभाग और ना ही किसी भी निधि से समस्या का समाधान नहीं किया गया है ग्रामीणों का कहना है कि हमारे द्वारा विधायक जनपद सीईओ पीडब्ल्यूडी विभाग कलेक्टर को लिखित आवेदन कर अपनी समस्याओं से अनेकों बार रूबरू कराया है लेकिन आज तक किसी भी को 10 गांव के ग्रामीणों की समस्या नहीं दिखी और ना ही सुनी शासन प्रशासन के इस रवैया से परेशान ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द से जल्द हमारी समस्याओं का समाधान नहीं कराया जाता है तो मजबूर होकर गहरी नींद पर सो रहे शासन प्रशासन को उठाने के लिए हम दस गांव के ग्रामीण एक साथ होकर आने वाले समय पर डिंडोरी समनापुर मार्ग चक्का जाम करने के लिए मजबूर रहेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी भी जनप्रतिनिधि से लेकर तमाम अधिकारी की होगी क्योंकि हमारे द्वारा अनेकों बार आवेदन कर अपनी समस्या को सामने रखा गया है पर आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है

कान्हा टायगर रिजर्व द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस का आयोजन

अनवर खान /फतवा /मंडला

प्रतिवर्ष अनुसार बाघ दिवस 29 सितंबर के अवसर पर कान्हा टाइगर रिजर्व ऑफिस में बाघ दिवस का आयोजन किया जाता है किंतु इस वर्ष भारत ज्योति विद्यालय में छात्रों के समक्ष आयोजन किया गया अनेक प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, कान्हा टाईगर रिजर्व द्वारा भारत ज्योति विद्यालय मण्डला में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अंतर्गत बाघ संरक्षण संबधी चेतना के प्रचार-प्रसार एवं क्षेत्रीय गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री एस.एस. उद्दे, सेवा निवृत मुख्य वन संरक्षक, सुश्री पूजा नागले, वनमण्डलाधिकारी, उत्पादन, श्री हरीश बघेल, संभागीय प्रबंधक, मोहगाव प्रोजेक्ट, डॉ. संदीप अग्रवाल, वन्यप्राणी चिकित्सक, श्री चन्द्रेश खरे, मानसेवी वन्यजीव अभिरक्षक, श्री राजेश क्षत्री, सेवानिवृत शिक्षक एवं भारत ज्योति विद्यालय के उप प्राचार्य तथा कान्हा टाईगर रिजर्व के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री एस.एस. उददे, सेवा निवृत मुख्य वन संरक्षक द्वारा बाघ संरक्षण एवं स्थानीय समुदायों के सहयोग पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विगत 10 दिवसों में विभिन्न परिक्षेत्रों में आयोजित प्रतियोगिताएँ जैसे-मिट्टी कलाकृति निमार्ण, मेहंदी, चित्रकला, पोस्टकार्ड लेखन इत्यादि के परिणामों की घोषणा कर विजेताओं को पुरूस्कृत किया गया तथा विगत वर्ष में वन्यप्राणी रेस्क्यू अभियानों में सहयोग प्रदान करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को भी पुरूस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न परिक्षेत्रों से आये स्कूली छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीणों द्वारा बैगा नृत्य, बाघ नृत्य, लोक नृत्य व गायन के माध्यम से बाघ संरक्षण का संदेश प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा बाघ संरक्षण की शपथ लेकर हस्ताक्षर किये गये।

निर्माणाधीन मार्ग में बाधक अतिक्रमण को हटाकर शीघ्र पूर्ण करें निर्माण कार्य - महापौर

कटनी।

नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से संत कवरराम वार्ड में श्याम के घर से गोवर्धन दास के घर तक लगभग 33.36 लाख रुपए की लागत से निर्माणाधीन सी सी सड़क का शनिवार को महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने निरीक्षण कर व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य एवं क्षेत्रीय पार्षद गोविंद चावला, सुभाष सिब्बू साहू, डॉ रमेश सोनी, श्रीमती बीना बैनर्जी, पार्षद सुनीता कमलेश चौधरी, सीमा श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद विजय डब्बू रजक, क्षेत्रीय उपयंत्री पवन श्रीवास्तव सहित एस एन कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधि सचिन दुबे एवं क्षेत्रीय नागरिकों की मौजूदगी रही।

सड़क निर्माण से नागरिकों में हर्ष व्याप्त

महापौर श्रीमती सूरी ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों से निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी लिए जाने पर नागरिकों द्वारा स्थल पर कराए जा रहे विकास कार्य के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की जाकर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। महापौर श्रीमती सूरी ने बताया कि कायाकल्प योजना के तहत नागरिकों को सुगम यातायात की सुविधा प्रदान करने हेतु नगर के विभिन्न वार्डों में सड़कों के नवीनीकरण का कार्य जारी है। जिसके तहत माधवनगर में भी विभिन्न विकास कार्य कराए गए है। विकास कार्यों का यह सिलसिला आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

समस्याएं सुनकर निराकरण के दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती सूरी से क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा मार्ग के अतिक्रमण को हटाकर सुगम आवागम की सुविधा प्रदान किए जाने की मांग पर महापौर द्वारा संबंधित आकाश आहूजा से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के संबंध में चर्चा की जाकर नगर विकास के कार्य में सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया। जिसपर उनके द्वारा एक सप्ताह में अतिक्रमण हटा लेने की बात कही गई। इसके अतिरिक्त गौरीशंकर मार्ग को व्यवस्थित करने, नालियों पर अतिक्रमण कर जल प्रवाह अवरुद्ध करने संबंधी समस्या सुनी जाकर संबंधित उपयंत्री को समस्याओं के निराकरण की दिशा में शीघ्र ही नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर की जन सुनवाई में 112 लोगो ने दिया अपना आवेदन

कलेक्टर ने कई समस्याओं का जन सुनवाई में कराया निराकरण

सिंगरौली

जिले के विभिन्न अंचलो से आयें हुयें 112 लोगो ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जन सुनवाई में कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला को अपना आवेदन देते हुयें अपनी समस्याओं से अवगत कराया। कलेक्टर ने सभी आवेदन पत्रो पर गंभीरता से विचार करते हुये जन सुनवाई में उपस्थित विभागीय अधिकारियों से कई आवेदन पत्रो का जन सुनवाई में ही निराकरण कराया गया। साथ ही ऐसे आवेदन जिनका निराकरण जन सुनवाई के दौरान नही हुआ उनके आवेदनों को संबंधित विभागीय

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सबंधित आवेदनो पर तत्परता दिखाते हुयें समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित कराये।जन सुनवाई के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर पीके सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव कुमार पाण्डेय, आयुक्त नगर निगम डी.के शर्मा, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, सौरभ मिश्रा, नंदन तिवारी, देवन्द्र द्विवेदी, खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल, जिला शिक्षा अधिकारी एस.बी सिंह, डीपीसी आर.एल शुक्ला, उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय में नव प्रवेशी विद्यार्थियों को साईकिल एवं पाठ्यपुस्तक वितरण कार्यक्रम में हुए शामिल

पारिवारिक पृष्ठभूमि आपको आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती - प्रभारी मंत्री जायसवाल

अनवर खान/ फतवा/मंडला

प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल का मंडला आगमन हुआ उन्होंने जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर जिले के उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में नव प्रवेशी विद्यार्थियों को निःशुल्क साईकिल एवं पाठ्यपुस्तक वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल और केबिनेट मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती संपतिया उइके एवं सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते की विशेष मौजूदगी रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गणवेश, लैपटॉप, ई-स्कूटी, साइकिल, कोचिंग के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास कर रहा है। अनेक महान लोगों ने शासकीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इसी विद्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद श्री उदयचंद जैन एवं प्रसिद्ध समाजसेवी श्री केसी सुदर्शन ने पढ़ाई की और अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जिले का नाम राष्टीय पटल पर लेकर आए। प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने यहां मौजूद विद्यार्थियों से हुए अपने प्रेरक संबोधन में प्रधानमंत्री श्री मोदी का भी उल्लेख किया और कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कठिन बाल्य काल और चाय की दुकान पर कार्य करते हुए आगे बढ़ते हुए परिश्रम से सम्मान प्राप्त किया है। इससे यह पता चलता है कि व्यक्ति को आगे बढ़ने में पारिवारिक पृष्ठभूमि का कोई महत्व नहीं होता है। यह भाव आप विद्यार्थी अपने मन में बिल्कुल भी नहीं रखें। ज्ञानवान व्यक्ति हर जगह पूज्यनीय होता है। सभी विद्यार्थी अपनी बहुमुखी प्रतिभा से जिले और प्रदेश का नाम रोशन करें। हमारी सरकार ने प्रदेश के हर बच्चे तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाने के हरसंभव प्रयास किए हैं। केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि प्रतिभावान विद्यार्थियों को नई तकनीक और नई शिक्षा पद्धति से जोड़कर उनके उज्जवल भविष्य की नींव

भी रखी जा रही है। आपको लक्ष्य प्राप्ति के लिए आपको कड़ा परिश्रम करना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग और अनुशासन का पालन करने की सलाह भी दी। कार्यक्रम के पहले अतिथियों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधरोपण, मां सरस्वती पूजन एवं शहीद श्री उदयचंद जैन जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। नशामुक्ति अभियान के तहत प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने विद्यालय परिसर में उपस्थित विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई और हस्ताक्षर अभियान में हस्ताक्षर भी किए। एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत ईको क्लब के विद्यार्थियों को एपको के माध्यम से प्रमाण पत्र भी दिए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, श्री प्रफुल्ल मिश्रा, नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, जिला पंचायत सदस्य श्री शैलेष मिश्रा, श्री जयदत्त झा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहा। आभार प्रदर्शन जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े एवं कार्यक्रम का संचालन श्री अखिलेश उपाध्याय द्वारा किया गया।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा - राज्यमंत्री श्री जायसवाल

प्रभारी मंत्री ने ली निर्माण एवं विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला योजना भवन मंडला के सभागार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता एवं केबिनेट मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती संपतिया उइके एवं सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते की विशेष उपस्थिति में जिले के निर्माण कार्यों एवं विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल को विभागीय अधिकारियों द्वारा उनके विभाग अंतर्गत किए जा रहे निर्माण कार्यों की विस्तार से जानकारी पीपीटी प्रजेन्टेशन के माध्यम से दी गई। प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मध्यप्रदेश सड़क विकास प्राधिकरण, जल जीवन मिशन में चल रहे निर्माण कार्यों की बिन्दुवार जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं किया जायेगा। विभाग प्रमुख अपने अमले के साथ सतत रूप से इनकी मॉनिटरिंग करते रहें। निर्माण कार्यों में अनुबंध अनुसार कार्य पूर्ण करने की जो समयावधि निर्धारित की गई है उसी अवधि में कार्य पूर्ण हो इस बात का विशेष ध्यान रखें। साथ ही जिन निर्माण कार्यों में रूकावटें आ रही है, उसके निराकरण के लिए जनप्रतिनिधियों से बात कर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराएं। निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराया जाना सुनिश्चित करें। विकास कार्यों के दौरान स्कूल भवन, छात्रावास आदि तक पहुंचने वाले एप्रोच मार्ग की स्थिति भी संबंधित विभाग एवं निर्माण एजेंसी अवश्य देखें ताकि बच्चों को आवागमन में कठिनाई न हो। समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि जिले में लगातार बारिश हो रही है, ऐसी स्थिति में पुल, पुलिया एवं सड़क पर गड्ढ़ों की मरम्मत समय पर हो ताकि जनहानि की स्थिति नहीं बने। इसके अलावा जिन-जिन क्षेत्रों में विभागों द्वारा मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं उनकी सूची तैयार कर जनप्रतिनिधियों को प्रदान की जाए। केन्द्र सरकार द्वारा जारी प्रधानमंत्री जनमन योजना में शामिल घटकों पर चर्चा करते हुए कहा कि इस योजना से विशेष पिछड़ी जनजातीय बसाहटों में बदलाव आया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि पीएम जनमन योजना में प्रदेश की पहली आंगनवाड़ी मंडला जिले में बनाई गई है। इस पर मंत्री द्वय एवं सांसद श्री कुलस्ते द्वारा प्रशंसा व्यक्त की गई। जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में प्रगतिरत नलजल योजनाओं की विस्तार से जानकारी लेते हुए कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देश दिए कि वर्षाकाल में जल स्त्रोतों जैसे हेंडपंप, नलकूप, कुओं आदि में क्लोरीनेशन का कार्य सुचारू रूप से जारी रहे। एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत जिले में वन विभाग द्वारा वृहद स्तर पर पौधारोपण किए जाने के लिए स्थान चिन्हित कर कार्ययोजना बनाएं।

कृषि विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तिका का किया विमोचन

बैठक के पूर्व अतिथियों द्वारा कृषि विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तिका प्राकृतिक खेती को अपनाएं हम का भी विमोचन किया गया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, श्री प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, डीएफओ सुश्री प्रीता एसएम, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। आभार प्रदर्शन सीईओ नैनपुर श्री विनोद मरावी एवं कार्यक्रम का संचालन श्री अखिलेश उपाध्याय द्वारा किया गया।

खेलो भारत, नशा छोड़ो डिण्डौरी में नशा मुक्ति के लिए चला जनजागरूकता अभियान'

रिपोर्टः दुर्गेश बर्मन

डिंडौरी (फतवा)जिले भर में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों एवं खेल आयोजनों के माध्यम से नशे के विरुद्ध व्यापक संदेश दिया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। रक्षित केन्द्र डिण्डौरी में नशा मुक्ति अभियान के तहत बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी डिण्डौरी श्री सतीष द्विवेदी, प्रभारी रक्षित निरीक्षक कुंवर सिंह, तथा खेल विभाग से श्रीमती आरती सौंधिया विशेष रूप से उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में पुलिस लाइन की टीम, कलेक्ट्रेट कार्यालय की टीम, एसएफ टीम एवं उत्कृष्ट विद्यालय की टीमों ने हिस्सा लिया। खेल में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया ङ्क ÷नशा न करें, खेल खेलें और स्वस्थ रहें। इसके साथ ही जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में भी नशा मुक्ति से संबंधित जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गएः

थाना करंजिया अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय करंजिया में 100 से अधिक छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा नशा से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। चौकी विक्रमपुर के शासकीय हाई स्कूल नुनखान में भी नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

चौकी अमरपुर के ग्राम बिलासर में आयोजित अभियान में गांव के युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया एवं सामूहिक रूप से नशा त्यागने की शपथ दिलाई गई। थाना शाहपुरा में ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शाहपुरा के विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से नशे के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक दुष्प्रभावों को दर्शाया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जिले भर में चल रहे इन कार्यक्रमों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, परिवार और समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। इस दिशा में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

छात्रावासों एवं आश्रमों असुविधाओं के लिए अधीक्षक पर गिरेगी गाज - कलेक्टर ने वीसी के माध्यम से की गई समीक्षा

अनवर खान /फतवा /मंडला

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि आश्रमों एवं छात्रावासों में सभी मूलभूत सुविधाएं बच्चों को मिलें, यह जिम्मेदारी छात्रावास अधीक्षक की हैं। छात्रावासों में किसी भी प्रकार की कमियाँ बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। कलेक्टर श्री मिश्रा वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से जिले के आवासीय आश्रमों एवं छात्रावासों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी अधीक्षकों से बच्चों के मासिक स्वास्थ्य परीक्षण की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि परीक्षण में किसी भी प्रकार के मेडिकल अंटेशन के लिए डॉक्टर के सुझाव पर तत्काल बच्चों को मेडिकल ऐड दिलायें। किसी भी बालिका छात्रावास में पुरुष वार्डन न हों। उन्होंने कहा कि बच्चों

को छात्रावासों में पाठयोत्तर गतिविधियों से जोड़ने का कार्य हॉस्टल में कराएं।

इस दौरान गोलमेज कक्ष में मौजूद जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी हॉस्टल्स में प्रतिमाह निरीक्षण करें। जिला स्तरीय अधिकारी हॉस्टल में रात्रि विश्राम भी करें। उन्होंने निर्देशित किया कि किसी भी हॉस्टल के भवन में मरम्मत की आवश्यकता होने पर तत्काल उसकी मरम्मत के लिए प्रस्ताव तैयार करवायें। हॉस्टल में शुद्ध पेयजल, शौचालय, मेनू के अनुसार समय पर नाश्ता तथा भोजन की उपलब्धता कराना अधीक्षक की जिम्मेदारी है, यह बेसिक व्यवस्था प्रत्येक हॉस्टल में सुनिश्चित करें। इस दौरान स्थानीय गोलमेज कक्ष में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, डीईओ श्रीमती मुन्नी वरकड़े, डीपीसी श्री अरविंद विश्वकर्मा, सहायक संचालक आदिवासी विकास विभाग श्री रंजीत गुप्ता, एपीसी श्री मुकेश पांडे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सफलता की कहानी: एक साधारण गृहिणी से सफल उद्यमी बनने की प्रेरणादायक कहानी

लीलावती रजक ने बिहान योजना और स्व-सहायता समूह की मदद से आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की

फ़तवा /भूपेंद्र सिंह गंभीर

एमसीबी~ छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के छोटे से ग्राम बंजारी डांड की एक साधारण गृहिणी, लीलावती रजक, आज महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रतीक बन चुकी हैं। वे न केवल अपने परिवार के लिए आर्थिक संबल बनी हैं, बल्कि समाज की कई अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं। उनके जीवन का यह परिवर्तन एक साधारण शुरुआत से होकर एक असाधारण मुकाम तक पहुँचा है, जो यह दर्शाता है कि जब इरादे मजबूत हों और अवसर का सही उपयोग किया जाए, तो कोई भी असंभव नहीं।

संघर्ष की चुप्पी से आत्मनिर्भरता की पहली आहट

लीलावती का जीवन भी सामान्य ग्रामीण महिलाओं की तरह था। वे घरेलू कामों में व्यस्त रहती थीं और परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत खराब थी। उनके पति नरेश्वर प्रसाद रजक खेतिहर मजदूर थे और थोड़ी-बहुत खेती भी करते थे, जिससे सालाना आय मात्र 40,000 से 50,000 रुपये के बीच होती थी। इस मामूली आय से पूरे परिवार का पालन-पोषण करना बेहद कठिन था। जीवन एक सीमित दायरे में बंधा था और ज़िंदगी की रफ्तार गरीबी के बोझ से थमी हुई थी। एक दिन दीदी अपने गांव के पास किसी अन्य स्व-सहायता समूह की बैठक में शामिल हुईं। वहाँ की महिलाओं का आत्मविश्वास, बातचीत का तरीका और उनकी जीवनशैली देखकर वे बहुत प्रभावित हुईं। दीदी ने पहली बार महसूस किया कि महिलाएं भी अपने दम पर कुछ कर सकती हैं। यही अनुभव उनके लिए प्रेरणा बन गया।

समूह की शक्ति और बिहान योजना का मिला साथ

उस दिन के बाद लीलावती ने ÷रानी अवंती महिला संकुल संगठन÷ के अंतर्गत ÷साक्षर भारत स्व-सहायता समूह÷ से जुड़ने का निर्णय लिया। समूह से जुड़ने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने समूह की बैठकों में नियमित भाग लेना शुरू किया। समूह की साप्ताहिक बैठकों ने दीदी को संवाद, योजना और सामूहिक सोच की समझ दी। बिहान योजना (छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) के अंतर्गत उन्हें आरएफ (रिवॉल्विंग फंड) और सीआईएफ (कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड) की राशि प्राप्त हुई। इस राशि का उपयोग करके दीदी ने अपने जीवन का पहला बड़ा निर्णय लिया घरेलू स्तर पर स्वरोजगार की शुरुआत।

एक दीदी, अनेक प्रेरणाएँ अपने गांव की महिलाओं के लिए बनी मिसाल

आज लीलावती अपने गाँव की उन महिलाओं के लिए एक प्रेरणा हैं जो कभी खुद को केवल गृहिणी या मजदूर समझती थीं। वे अब खुद दूसरों को समूह से जोड़ने, जानकारी देने और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने का कार्य करती हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि समूह, योजना और प्रयास का सही समन्वय हो तो कोई भी महिला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती है। वे बिहान कार्यालय से समय-समय पर मार्गदर्शन लेती रहीं और हर योजना का सही लाभ उठाया। यही कारण है कि वे आज स्वाभिमान के साथ न केवल अपना घर चला रही हैं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सम्मान प्राप्त कर चुकी हैं। उनकी सफलता की कहानी यह बताती है कि ग्रामीण परिवेश में भी यदि सही दिशा, मार्गदर्शन और आत्मबल हो तो महिलाएँ समाज को बदल सकती हैं। लीलावती दीदी ने यह कर दिखाया है। छत्तीसगढ़ की माटी में ऐसी अनगिनत लीलावती दीदियाँ जन्म ले रही हैं, जो स्वयं सहायता समूह और बिहान योजना की बदौलत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही हैं।

उद्यमिता की राह पर पहला कदम किराना दुकान से मिनी राइस मिल तक का सफर

लीलावती दीदी ने अपने घर के एक कोने में छोटा सा किराना दुकान खोला। यह उनकी पहली उद्यमिता थी। गाँव के लोगों को आवश्यक वस्तुएँ पास में मिलने लगीं, जिससे दुकान चल निकली। दीदी ने ग्राहकों की पसंद और जरूरतों को समझते हुए दुकान को व्यवस्थित किया और सेवा भाव से काम किया। यही कारण रहा कि उनकी दुकान लोकप्रिय होती चली गई। धीरे-धीरे मुनाफा बढ़ा तो लीलावती ने अगला साहसी कदम उठाया। उन्होंने बैंक लिंकेज योजना के तहत राशि लेकर एक मिनी राइस मिल खरीदी। यह निर्णय गाँव के किसानों के लिए भी लाभदायक साबित हुआ। अब किसानों को धान कुटवाने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता था। यह कार्य दीदी की आय को और भी स्थायी और मजबूत बना गया। अब लीलावती दीदी न केवल किराना दुकान की मालकिन थीं, बल्कि एक सफल महिला उद्यमी भी बन चुकी थीं। उनकी सालाना आमदनी अब 1.5 लाख से 2 लाख रुपये तक पहुँच चुकी है। उन्होंने अपने परिवार के लिए पक्का मकान बनवाया है और बच्चों की पढ़ाई व स्वास्थ्य पर बेहतर ध्यान दे पा रही हैं।

भोलेनाथ के जयकारों से गूंजेगा मनेंद्रगढ़, सिद्ध बाबा बोल बम कांवरिया संघ द्वारा निकलेगी भव्य कांवड़ यात्रा

श्रावण मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को हसदेव गंगा तट से होगा जल भराव, शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए सिद्ध बाबा धाम पहुंचेगी यात्रा

फ़तवा /भूपेंद्र सिंह गंभीर

एमसीबी/मनेंद्रगढ़~ श्रावण मास के पवित्र अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का संगम देखने को मिलेगा जब सिद्ध बाबा बोल बम कांवरिया संघ एवं समस्त शिव भक्तों के तत्वावधान में एक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह विशाल धार्मिक यात्रा श्रावण मास के अंतिम सोमवार दिनांक 4 अगस्त को प्रातः 6 बजे हसदेव गंगा तट से जल भरकर प्रारंभ होगी और नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई सिद्ध बाबा धाम पहुंचेगी।

यात्रा का शुभारंभ विधिवत रूप से मंत्रोच्चार, आरती व भोलेनाथ की जयघोष के साथ किया जाएगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवा वस्त्र धारण कर ÷हर हर महादेव÷ और ÷बोल बम÷ के जयकारों के साथ शिवभक्ति में लीन रहेंगे। यह धार्मिक शोभायात्रा नगर के स्कूल रोड, श्रीराम मंदिर के सामने, गांधी चौक, छोटा साई मंदिर, खेड़िया टॉकीज, मौहरपारा से होती हुई सिद्ध बाबा धाम पहुंचेगी, जहां भक्तगण जलाभिषेक कर भगवान शिव का पूजन-अर्चन करेंगे।

मुख्य आकर्षण-

भोले बाबा की भव्य झांकी- बाहर से आमंत्रित कलाकारों द्वारा प्रस्तुति

डिजीटल साउंड सिस्टम-धार्मिक भजनों एवं शिव तांडव से गूंजेगा वातावरण

ड्रोन कैमरे द्वारा वीडियो ग्राफी-सम्पूर्ण यात्रा का विशेष दृश्यांकन

पुष्प वर्षा एवं जल छिड़काव- भक्तों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध

विश्राम स्थल एवं जलपान व्यवस्था- मार्ग में जगह-जगह सहयोगी शिवभक्तों द्वारा की जाएगी व्यवस्था

संघ की अपील-

सिद्ध बाबा बोल बम कांवरिया संघ के पदाधिकारियों ने समस्त नगरवासियों, युवाओं, मातृशक्ति एवं श्रद्धालुजनों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस पुण्य यात्रा में सम्मिलित होकर बाबा भोलेनाथ की कृपा प्राप्त करें। यह आयोजन श्रद्धा, एकता, और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है, जिसमें भागीदारी स्वयं को शिवमय करने का अवसर है।

भोलेनाथ के जयकारों से गूंजेगा मनेंद्रगढ़, सिद्ध बाबा बोल बम कांवरिया संघ द्वारा निकलेगी भव्य कांवड़ यात्रा

श्रावण मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को हसदेव गंगा तट से होगा जल भराव, शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए सिद्ध बाबा धाम पहुंचेगी यात्रा

फ़तवा समाचार भूपेंद्र सिंह गंभीर

एमसीबी/मनेंद्रगढ़~ श्रावण मास के पवित्र अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का संगम देखने को मिलेगा जब सिद्ध बाबा बोल बम कांवरिया संघ एवं समस्त शिव भक्तों के तत्वावधान में एक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह विशाल धार्मिक यात्रा श्रावण मास के अंतिम सोमवार दिनांक 4 अगस्त को प्रातः 6 बजे हसदेव गंगा तट से जल भरकर प्रारंभ होगी और नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई सिद्ध बाबा धाम पहुंचेगी। यात्रा का शुभारंभ विधिवत रूप से मंत्रोच्चार, आरती व भोलेनाथ की जयघोष के साथ किया जाएगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवा वस्त्र धारण कर ÷हर हर महादेव÷ और ÷बोल बम÷ के जयकारों के साथ शिवभक्ति में लीन रहेंगे। यह धार्मिक शोभायात्रा नगर के स्कूल रोड, श्रीराम मंदिर के सामने, गांधी चौक, छोटा साई मंदिर, खेड़िया टॉकीज, मौहरपारा से होती हुई सिद्ध बाबा धाम पहुंचेगी, जहां भक्तगण जलाभिषेक कर भगवान शिव का पूजन-अर्चन करेंगे।

मुख्य आकर्षण-

भोले बाबा की भव्य झांकी ङ्क बाहर से आमंत्रित कलाकारों द्वारा प्रस्तुति

डिजीटल साउंड सिस्टम ङ्क धार्मिक भजनों एवं शिव तांडव से गूंजेगा वातावरण

ड्रोन कैमरे द्वारा वीडियो ग्राफी ङ्क सम्पूर्ण यात्रा का विशेष दृश्यांकन

पुष्प वर्षा एवं जल छिड़काव ङ्क भक्तों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध

विश्राम स्थल एवं जलपान व्यवस्था ङ्क मार्ग में जगह-जगह सहयोगी शिवभक्तों द्वारा की जाएगी व्यवस्था

संघ की अपील-

सिद्ध बाबा बोल बम कांवरिया संघ के पदाधिकारियों ने समस्त नगरवासियों, युवाओं, मातृशक्ति एवं श्रद्धालुजनों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस पुण्य यात्रा में सम्मिलित होकर बाबा भोलेनाथ की कृपा प्राप्त करें। यह आयोजन श्रद्धा, एकता, और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है, जिसमें भागीदारी स्वयं को शिवमय करने का अवसर है।

सिम्स में ऑपरेशन के दौरान सोनोग्राफी की मदद से निकाले गए लोहे के चार तार, 10 वर्षीय बालक के पैर दर्द से मिली राहत

बिलासपुर

सिम्स बिलासपुर ने चिकित्सकीय क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। रेडियोलॉजी विभाग और सर्जरी विभाग के संयुक्त प्रयास से ऑपरेशन के दौरान सोनोग्राफी की मदद से एक 10 वर्षीय बालक के पैर में फंसे लोहे के चार तार को सफलतापूर्वक निकाला गया। लमेर निवासी 10 वर्षीय आदित्य खांडे पिता दीप कुमार लगभग चार माह पूर्व साइकिल चलाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे में साइकिल का टायर फटने से बाहर निकला लोहे का तार उसके दाहिने पैर में घुस गया। तार पैर में टूटकर अंदर फंस गया और चार टुकड़ों में लगभग 2 से 5 सेमी लंबाई में मांसपेशियों में धंस गया। इसके बाद बच्चे को लगातार सूजन और दर्द की शिकायत बनी रही। तीन दिन पूर्व परिजन उसे सिम्स के सर्जरी विभाग में लेकर पहुंचे, जहां सर्जन डॉ. बी.डी. तिवारी ने जाँच करवाई। एक्सरे और सोनोग्राफी से यह पुष्टि हुई कि तार पैर की मांसपेशियों में गहराई तक धंसा हुआ है, और अंदर ही अंदर मवाद बन चुका है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉ. ओ.पी. राज एवं डॉ. बी.डी. तिवारी ने ऑपरेशन का निर्णय लिया। परंतु ऑपरेशन के दौरान चीरफाड़ को न्यूनतम रखने और तारों की सटीक जगह जानने के लिए रेडियोलॉजी विभाग की मदद ली गई। विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह के निर्देशन में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमन अग्रवाल ने ऑपरेशन थिएटर में ही लाइव सोनोग्राफी के माध्यम से लोहे के तारों की सटीक स्थिति चिन्हित की। इसके आधार पर सर्जनों ने बहुत ही कम चीरफाड़ कर सफलतापूर्वक सभी चारो तारों को निकाल दिया गाया मेल सर्जरी वर्ड मे इलाज जारी है इस जटिल ऑपरेशन में सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. रघुराज सिंह, एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. भावना रायजादा, डॉ. मिल्टन, डॉ. श्वेता कुजूर, और डॉ. मयंक अग्रे का सराहनीय योगदान रहा। सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमनेश मूर्ति और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने सभी चिकित्सकों की इस सामूहिक उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए कहा, > ÷दूर-दराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए आपकी चिकित्सीय निष्ठा और परिश्रम अनुकरणीय हैं। आपके समर्पण और सेवा भावना को संस्थान गौरव की दृष्टि से देखता है। इसी प्रकार आगे भी संस्था का नाम रोशन करते रहें।÷

दिव्यांग बच्चों के लिए मेगा कैम्प का आयोजन

बिलासपुर

समग्र शिक्षा अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु संचालित समावेशी शिक्षा के तहत् 21 जुलाई से 25 जुलाई 2025 तक जिले के सभी विकासखंडो में आंकलन शिविर का आयोजन किया गया। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, रायपुर के निर्देशानुसार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के पांचवें वर्षगाठ के अवसर पर जिला स्तर पर इन बच्चों हेतु मेगा केम्प का आयोजन किया जाना था। जिसमें विकासखंड स्तर पर आयोजित शिविरों में अनुपस्थित बच्चों को पुनः अवसर देने हेतु आंकलन सह सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन जिला स्तर पर पं. देवकीनंदन दीक्षित कन्या उ.मा. विद्यालय बिलासपुर में किया गया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार शामिल हुए।

मेगा केम्प में शहरी स्त्रोत केन्द्र, बिल्हा (ग्रामीण), कोटा, मस्तूरी एवं तखतपुर विकासखंड के 39 अस्थि बाधित, 25 श्रवण बाधित, 34 दृष्टि बाधित एवं 28 बौद्धिक निःशक्त बच्चे शामिल हुये। उपस्थित बच्चों को आवश्यक सहायक उपकरण यथा सी.पी. चेयर, व्हील चेयर, बैसाखी, वाकर, श्रवण यंत्र, लो विजन किट, ब्रेल किट, आक्यूपेसनल किट, एमआर किट, एडीएल किट आदि का वितरण किया गया। श्री संजय अग्रवाल कलेक्टर द्वारा इस अवसर पर चिकित्सकों से वन टू वन चर्चा की गई तथा बच्चों के दिव्यांगता के अर्लीइन्टरवेन्सन हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने सभी दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों से आह्वान किया कि इन बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुये अनुकूल व्यवहार करे तथा शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करे। बच्चों में विद्यमान क्षमता के विकास हेतु सतत् रूप से प्रयास करे तथा समाज के मुख्य धारा में शामिल करे।

विकासखंड एवं जिला स्तर तक शिविरों में महति भूमिका निर्वहन करने वाले डॉ. कतलम, डॉ. ए.एस खान, डॉ. अलखनंदा, डॉ. पंकज साहू, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. सी.पी. करन एवं श्री नीरज शुक्ला तथा समावेशी शिक्षा के बेहतर क्रियान्वयन में सतत् रूप से कार्यरत बीआरपी अराधना शर्मा, पूर्णिमा खोब्रागढ़े, सुदीप जांगड़े, श्यामनारायण पाण्डेय, गोविन्द बांधे एवं विनिता सिंह को कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, सहायक कलेक्टर श्री अरविन्दम, जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय टाण्डे, जिला मिशन समन्वयक श्री ओम पाण्डेय, समग्र शिक्षा, एडीपीआ श्री रामेश्वर जायसवाल, एपीसी डॉ. अखिलेश तिवारी, एपीसी डॉ. मुकेश पाण्डेय, यूआरसी श्री वासुदेव पाण्डेय, श्री देवी चंद्राकर, श्री प्रमोद शुक्ला एवं श्रीमती सीमा त्रिपाठी बीआरसीसी के साथ-साथ जिले के सभी बीआरपी, स्पेशल एजुकेटर, शिक्षक एवं पालक उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी

बिलासपुर

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज मंत्रालय में राज्य कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकार-वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने पत्रकार-वार्ता में कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ बना हादसों का गढ़, प्रशासन मौन

फ़तवा/भूपेंद्र सिंह गंभीर

मनेंद्रगढ़~ एमसीबी जिले का मुख्यालय मनेंद्रगढ़ आजकल हादसों का पर्याय बनता जा रहा है। आए दिन हो रहे सड़क हादसों ने आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। कभी आवारा पशु इन दुर्घटनाओं की वजह बनते हैं, तो कभी लचर ट्रैफिक व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही इसके पीछे जिम्मेदार नजर आती है।

कलेक्टर के निर्देश हवा में, हाईवे बना जाम और जान का खतरा

जिला कलेक्टर द्वारा कई बार सख्त निर्देश दिए गए हैं कि नेशनल हाईवे 43 पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त हो, किन्तु हाईवे किनारे भारी वाहनों, रेड़ी वालों और ठेले वालों की अवैध बादशाहत प्रशासन की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह खड़े करती है।

कांजी हाउसों पर ताले, सड़कों पर पशु

नगरपालिका परिषद द्वारा बनाए गए कांजी हाउस केवल कागजों में संचालित हो रहे हैं। वास्तविकता यह है कि इन कांजी हाउसों में ताले लटके हैं और जिम्मेदार कर्मचारी अपनी ड्यूटी छोड़कर अन्य कार्यों में व्यस्त हैं। नतीजतन, आवारा पशु हाईवे, बाजार और वार्डों में खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे राहगीरों को जान का खतरा बना रहता है।

प्रशासनिक निष्क्रियता और मलाईखोरी का बोलबाला

नगरपालिका परिषद केवल उन कार्यों में रुचि दिखा रही है जिनसे मोटी मलाई की संभावना हो। आम जनता की परेशानियों से जैसे इस संस्था का कोई सरोकार ही नहीं रह गया हो। वहीं पुलिस प्रशासन की चेकिंग कार्रवाई सिर्फ खानापूर्ति और अवैध वसूली तक सिमट कर रह गई है।

नाबालिग चला रहे वाहन, हाईवे पेट्रोलिंग वाहन सिर्फ दिखावा

मनेंद्रगढ़ की सड़कों पर बिना लाइसेंस के नाबालिग तेज रफ्तार में बुलेट, स्कूटी और बाइक दौड़ाते नजर आते हैं। हादसों को न्योता देने वाली ये स्थिति दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। पुलिस प्रशासन का हाईवे पेट्रोलिंग वाहन भी केवल कोतवाली की शोभा बढ़ाने का काम कर रहा है, न कि सड़कों पर गश्त या सुरक्षा का।

जनता परेशान, जिम्मेदार बेपरवाह

शहर की जनता लगातार आवारा पशुओं, जाम, दुर्घटनाओं और असुरक्षित यातायात के चलते परेशान है। मगर जिन पर जिम्मेदारी है, वो न तो अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं और न ही किसी ठोस समाधान की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

अब सवाल उठता है — क्या मनेंद्रगढ़ को हादसों के इस चक्रव्यूह से बाहर निकालने के लिए प्रशासन जागेगा या यूं ही आम जनता की जान जोखिम में डालते रहेंगे?

छत्तीसगढ़ क्षेत्र के लिए संपर्क करें पेपर, विज्ञापन, समाचार ,एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

धर्मेंद्र वस्त्राकर
स्थानीय संपादक कार्यालय बिलासपुर

क्या शादी से फिर से जवान हो जाऊंगी?: जरीन खान

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया पर आजकल एक्ट्रेस जरीन खान ट्रोलर्स को करारा जवाब देने को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक ट्रोलर ने उन्हें उनकी शादी को लेकर ताना मारा, लेकिन जरीन ने न सिर्फ इस ताने को गंभीरता से लिया, बल्कि एक वीडियो शेयर कर तीखा जवाब भी दिया। दरअसल, एक यूजर ने 38 वर्षीय जरीन खान की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, ÷शादी कर लो, बुड्ढी हो रही हो।÷ इस पर जरीन ने वीडियो में कहा, ÷क्या शादी कर लेने से मैं फिर से जवान हो जाऊंगी? इसका क्या मतलब हुआ?÷ उन्होंने इस कमेंट को 'खास' बताते हुए कहा कि भारतीय समाज में अक्सर यह धारणा बन चुकी है कि शादी हर समस्या का समाधान है, खासकर महिलाओं के लिए। जरीन ने वीडियो में आगे कहा कि हमारे समाज में जब भी किसी इंसान की ज़िंदगी में कोई परेशानी आती है या वो कुछ खास नहीं कर पा रहा होता, तो परिवार का पहला सुझाव होता है ङ्क 'शादी कर दो'। उन्होंने इस मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक ऐसा इंसान जो अपनी ही जिम्मेदारियां नहीं उठा पा रहा, क्या उसे किसी और की ज़िंदगी की जिम्मेदारी दे देना सही है? एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि आज के समय में शादी को जादुई समाधान मानना गलत है। ÷क्या शादी कोई चमत्कार है कि इससे सब कुछ ठीक हो जाएगा? मैं जो देख रही हूं, आजकल की ज्यादातर शादियां दो-तीन महीने से ज्यादा नहीं चलतीं।÷

अपने अनुभव साझा करते हुए जरीन ने इस बात पर भी जोर दिया कि अविवाहित होना कोई अभिशाप नहीं है और महिलाओं को उनके वैवाहिक दर्जे से नहीं परखा जाना चाहिए। बता दें, जरीन खान ने साल 2010 में सलमान खान की फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड में कदम रखा था। तब से लेकर अब तक उन्होंने न केवल अभिनय में अपनी पहचान बनाई है बल्कि सोशल मीडिया पर अपने विचार खुलकर रखने के लिए भी जानी जाती हैं। बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान अपने बोल्ड और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं।

गांगुली ने फ्रैक्चर के बाद भी ऋषभ के बल्लेबाजी करने को साहसिक बताया

कोलकाता ■ एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने पैर में फ्रैक्चर के बाद भी इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में साहसिक बल्लेबाजी के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। ऋषभ ने पैर में फ्रैक्चर के बाद भी मैनचेस्टर टेस्ट में बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली थी। जिससे भारतीय टीम पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। ऋषभ ने इस दौरे में दो शतकों के साथ ही सात पारियों में 479 रन बनाए। उन्होंने लॉर्ड्स टेस्ट में हाथ में चोट लगने के बाद भी 74 रनों की पारी खेली थी। उनके इस प्रदर्शन से ही भारतीय टीम को पांच मैचों की सीरीज बराबर करने की प्रेरणा मिली है जिसमें अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। गांगुली ने कहा, वह एक बहुत अच्छा टेस्ट खिलाड़ी है। वह चोटिल है और उसे फिट होने में समय लगेगा। उसने सीरीज में

अब तक शानदार बल्लेबाजी की है। इस क्रिकेटर को मैनचेस्टर में भारत की पहली पारी के दौरान चोट लगी थी, जब इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक खतरनाक यॉर्कर उनके पैर में लगी थी। गेंद उनके बल्ले से टकराकर उनके पैर में लग गयी थी। जिसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट हुए थे। इसके बाद भी उन्होंने दूसरे दिन फ्रैक्चर के बाद भी 54 रनों की पारी खेली। गांगुली ने भारतीय टीम के मैनचेस्टर में अंतिम दिन किये प्रयासों को भी सराहा जिससे टीम मैच बचाने में सफल रही।

ई-कॉमर्स और 3पीएल कंपनियों से वेयरहाउसिंग सेक्टर में जोरदार उछाल

गोदामों की मांग 63 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2.7 करोड़ वर्ग फुट पहुंची

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2025 की पहली छमाही में औद्योगिक स्थानों और गोदामों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। रियल एस्टेट सेवा प्रदाता सीबीआरई की रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में औद्योगिक और वेयरहाउसिंग क्षेत्र में लीजिंग (पट्टे पर लेना) 63 प्रतिशत बढ़कर 27.1 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गई। इस वृद्धि का प्रमुख कारण ई-कॉमर्स और थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों की मजबूत मांग रही। जनवरी-जून 2025 के दौरान लीज पर दी गई कुल जगह में से 32 प्रतिशत हिस्सेदारी 3पीएल कंपनियों की रही, जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। सीबीआरई के एक अधिकारी ने कहा कि 3पीएल और ई-कॉमर्स कंपनियों का प्रभुत्व यह दर्शाता है कि तेजी से बदलती उपभोक्ता अपेक्षाएं और आपूर्ति श्रृंखला में तकनीकी अनुकूलन इस सेक्टर को नई दिशा दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इसी अवधि में 1.67 करोड़ वर्ग फुट नई आपूर्ति दर्ज की गई, जिसमें बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई का कुल 57 प्रतिशत योगदान रहा। सीबीआरई को उम्मीद है कि 2025 की दूसरी छमाही में भी इसी तरह की मजबूत मांग बनी रहेगी। आने वाले समय में प्रीमियम, टिकाऊ और तकनीक-समर्थित वेयरहाउसिंग सुविधाओं की मांग और अधिक बढ़ने की संभावना है।

इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो से 68,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

नई ?दिल्ली ■ एजेंसी

जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) ने 30 जुलाई से 4 अगस्त तक मुंबई में आयोजित होने वाले इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (आईआईजेएस) के माध्यम से 68,000 करोड़ रुपये का कारोबार करने का लक्ष्य तय किया है। परिषद के अनुसार यह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा, जिसमें 2,100 कंपनियां और 3,600 स्टॉल शामिल होंगे। शो में भारत के 1,300 शहरों और दुनिया के 80 देशों से 50,000 से अधिक आगंतुकों के पहुंचने की उम्मीद है। जीजेईपीसी खाड़ी देशों में 40,000 करोड़ के नए बाजार अवसरों को भुनाने की भी तैयारी कर रहा है।

पिरामल फार्मा को पहली तिमाही में 82 करोड़ का घाटा, परिचालन आय में भी मामूली गिरावट

Piramal Pharma Limited

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पिरामल फार्मा लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 82 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया है। यह घाटा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 89 करोड़ रुपये के मुकाबले थोड़ा कम है। कंपनी की परिचालन आय भी घटकर 1,934 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,951 करोड़ रुपये थी। हालांकि कंपनी का कहना है कि तिमाही के दौरान कर पूर्व आय में सुधार देखा गया है और कुछ क्षेत्रों में मध्यम राजस्व वृद्धि भी दर्ज की गई है। पिरामल फार्मा की चेयरपर्सन नंदिनी पिरामल ने बताया कि कंपनी परिचालन दक्षता को मजबूत करने और लागत नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी तिमाहियों में प्रदर्शन में और सुधार होगा। ताजा आंकड़े कंपनी के घाटे में आंशिक कमी और परिचालन स्तर पर स्थिरता की ओर संकेत करते हैं।

1 साल में गोल्ड लोन 2 गुना हुआ

मुंबई ■ एजेंसी

देश में गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या और उसकी राशि लगभग डबल हो चुकी है। मई 2024 तक देश के कुल गोल्ड लोन का आंकड़ा 1.16 लाख करोड रुपए का था। जो मई 2025 में बढ़कर 2.51 लाख करोड़ हो चुका है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में दिए गए एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी है। मुथूट फाइनेंस के प्रबंध निदेशक का कहना है, जब महंगाई बढ़ती है। तब गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या और राशि बढ़ जाती है। लोगों को अपने जरूरी खर्च के लिए गोल्ड गिरवी रखना पड़ता है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के अनुसार पिछले तीन सालों में विदेश जाकर पढ़ाई करने वालों का कर्ज़ 25.2 फ़ीसदी कम हो गया है। विदेश जाकर पढ़ने वाले छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। इसका असर एजुकेशन लोन में देखने को मिल रहा है।

बीसीसीआई स्टोर से लाखों रुपये की आईपीएल जर्सी चोरी हुईं, सुरक्षा प्रबंधक निकला आरोपी

मुंबई ■ एजेंसी

मुंबई में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक मर्चेंडाइज स्टोर से 6.52 लाख रुपए की 261 आईपीएल जर्सी चोरी होने का मामला सामने आया है। इस मामले में सबसे चिन्ताजनक बात ये है कि स्टोर के सुरक्षा प्रबंधक फारुख असलम खान के खिलाफ ही चोरी का आरोप लगा है। बीसीसीआई कर्मचारी हेमंग भारत कुमार अमीन ने जर्सी चोरी होने की शिकायत पुलिस में दर्ज करायी है। अमीन ने आरोप लगाया था कि फारुख ने दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी आईपीएल टीमों की जर्सी चोरी की हैं। पुलिस ने अमीन की शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फारुख पर चोरी का आरोप गंभीर है और जांच में सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। इस घटना के बाद वानखेड़े स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। बीसीसीआई का मर्चेंडाइज स्टोर दूसरी मंजिल पर स्थित है और यह प्रशंसकों के बीच काफी लोकप्रिय है। गौरतलब है कि वानखेड़े स्टेडियम मुंबई में स्थित एक ऐतिहासिक क्रिकेट स्टेडियम है। 1974 में स्थापित यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का मुख्यालय और मुंबई इंडियंस का घरेलू मैदान है।

पांचवें टेस्ट के लिए आर्चर, ब्रायडन को आराम दें : ब्रॉड

लंदन ■ एजेंसी

भारत के खिलाफ इस माह के अंत में शुरू हो रहे पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीमें भी अपने दो तेज गेंदबाजों को आराम दे सकती है। भारतीय टीम जिस प्रकार अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम देने जा रही है। उसी प्रकार से इंग्लैंड भी अपने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भी आराम दे सकती है। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा कि आर्चर को आराम दिया जाना चाहिए। आर्चर ने चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। आर्चर ने भारत के खिलाफ लॉडर्स टेस्ट में वापसी करते हुए तीसरी गेंद पर ही विकेट लिया था। उन्होंने इस मैच में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इसके बाद मैनचेस्टर में चार विकेट लिए थे। वहीं बाकी गेंदबाज संघर्ष करते दिखे थे। ब्रॉड ने कहा, ' आर्चर की चार साल बाद वापसी के बाद

उससे इतनी ज्यादा गेंदबाजी नहीं करायी जा सकती क्योंकि हम उसे अगले चार साल तक बाहर नहीं कर सकते।.' ब्रॉड ने कहा, 'मेरा मानना है कि पांचवें टेस्ट में गस एटकिंसन को उतारा जाना चाहिये। उस पर इतना काम का बोझ नहीं है। इसलिए उसे अवसर मिलना चाहिये। उसे टेस्ट क्रिकेट में अभी तक शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ नहीं आजमाया गया है।' उन्होंने कहा, 'ब्रायडन कार्स ने चौथे टेस्ट में पूरी कोशिश की पर वह थका हुआ लग रहा था।

डीपीआईआईटी ने एथर एनर्जी के साथ किया ईवी स्टार्टअप के लिए एमओयू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी एथर एनर्जी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहन और विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप्स के लिए नए अवसर प्रदान करना है। यह एमओयू डीप-टेक स्टार्टअप को रणनीतिक मार्गदर्शन और ईवी मूल्य श्रृंखला में बुनियादी ढांचा समर्थन उपलब्ध कराएगा। डीपीआईआईटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस साझेदारी से ऐसे वातावरण का निर्माण होगा जहां स्टार्टअप्स इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण, बैटरी नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। यह पहल भारत में ईवी उद्योग को मजबूत करने और नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी20 में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया, 5-0 से टी20 सीरीज जीती

सैंट किट्स ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को पांचवें टी20 मैच में तीन विकेट से हराकर सीरीज में 5-0 से जीत हासिल की है। इस अंतिम मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की टीम ने 19.4 ओवरों में 170 रन बनाये। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ये लक्ष्य तीन ओवर पहले ही हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। कप्तान शाई होप दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं ब्रैंडन किंग 11, कीसी कार्टी 1 और शेरफेन रदरफोर्ड 35 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शिमरोन हेटमायर ने जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 47 रन बनाकर टीम को संभाला। हेटमायर ने तीन छक्के और तीन चौके लगाकर 31 गेंदों में 52 रन बनाये।

तेलंगाना में ऐपल एयरपॉड संयंत्र बंद होने के बाद फिर शुरू, चीन पर निर्भरता घटाने की कोशिश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

तेलंगाना के कोंगरा कलां में स्थित ऐपल इंक के एयरपॉड असेंबली संयंत्र ने जुलाई की शुरुआत में उत्पादन दोबारा शुरू कर दिया है। इस संयंत्र का संचालन फॉक्सकॉन की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन इंटरकनेक्ट टेक्नॉलाजी कर रही है। जून के अंत में जापान से दुर्लभ खनिज मैग्नेट की आपूर्ति में आई रुकावट के चलते संयंत्र को दो सप्ताह के लिए बंद करना पड़ा था। यह खनिज वायरलेस ईयरबड यानी एयरपॉड्स में प्रमुख भूमिका निभाता है। ऐपल चीन पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से जापान से मैग्नेट

की आपूर्ति करवा रही थी, लेकिन आपूर्ति संकट ने उत्पादन पर असर डाला। कंपनी अब उज्बेकिस्तान सहित अन्य स्रोतों से मैग्नेट मंगवाने पर विचार कर रही है ताकि भविष्य में इस तरह की रुकावटों से बचा जा सके। सूत्रों के अनुसार, यह संयंत्र फिलहाल केवल अमेरिका और यूरोप जैसे बाजारों के लिए निर्यात पर केंद्रित है। ऐपल ने सरकार को बताया है कि चीन की तुलना में भारत में उत्पादन लागत अधिक है, जिससे वैश्विक प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। इस संयंत्र में अब तक करीब 5,000 कर्मचारी कार्यरत हैं। फॉक्सकॉन ने इसमें 50 करोड़ डॉलर का निवेश किया है और संयंत्र की पूर्ण क्षमता पर यह 15,000 से अधिक लोगों को रोजगार देगा। अप्रैल 2025 से यहां एयरपॉड्स की असेंबली शुरू हुई थी। ऐपल और फॉक्सकॉन ने इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है।

पिस्ता में पाए जाते हैं ये विटामिन और मिनरल, लेकिन ज्यादा खाने से हो सकते हैं ये नुकसान

ड्राई फ्रूट्स में सबसे ज्यादा पिस्ता लोगों को पसंद आता है। पिस्ता को लोग नमकीन की तरह खाते हैं। सॉल्टी पिस्ता स्वाद तो देता ही है साथ ही शरीर को पोषण भी पहुंचाता है। पिस्ता में कई विटामिन और मिनरल भरे हैं। पिस्ता खाने से सेहत को अनगिनत फायेद मिलते हैं। पिस्ता में प्रोटीन, विटामिन बी और मैग्नीज, कॉपर जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। पिस्ता को एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा सोर्स माना जाता है। लेकिन जरूरत से ज्यादा पिस्ता खाने से नुकसान भी हो सकता है। इसलिए सीमित मात्रा में ही पिस्ता खाना चाहिए। जानिए ज्यादा पिस्ता खाने से क्या नुकसान होते हैं?

पिस्ता में विटामिन मिनरल

ड्राईफ्रूट्स में पिस्ता एक हेल्दी नट है जो सेहत को कई फायदे पहुंचाता है। पिस्ता में प्रोटीन होता है जो वजन घटाने में मदद करता है। डाइटिंग करने वालों के लिए पिस्ता हेल्दी स्नैकिंग का अच्छा ऑप्शन है। पिस्ता में विटामिन बी6, मैग्नीज, फास्फोरस और कॉपर जैसे मिनरल पाए जाते हैं। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए पिस्ता में कैल्शियम और जिंक होता है। त्वचा को हेल्दी रखने के लिए विटामिन सी पाया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर पिस्ता लो कैलोरी और हाई फाइबर ड्राई फ्रूट है। पिस्ता में आयरन भी पाया जाता है जो खून की कमी को दूर करता है।

पिस्ता खाने के नुकसान

पिस्ता की तासीर भी गर्म होती है। इसलिए ज्यादा मात्रा में इसका सेवन न करें। पिस्ता खाने से कुछ लोगों को एलर्जी भी हो सकती है। पाचन से जुड़ी समस्या हो सकती है। जिन लोगों को किडनी में स्टोन है उन्हें पिस्ता नहीं खाना चाहिए। ज्यादा पिस्ता खाने से किडनी में पथरी भी हो सकती है। क्योंकि पिस्ता में ऑक्सालेट नाम का एक ऐसा कंपाउंड पाया जाता है, जो स्टोन की समस्या पैदा कर सकता है। ज्यादा पिस्ता खाने से वजन घटाने की बजाय बढ़ सकता है। ज्यादा पिस्ता का सेवन करने से अपच, एसिडिटी और कब्ज की समस्या भी हो सकती है।

जौ की रोटी के साथ गुड़ और घी खाने से सेहत को मिलते हैं कई बेहतरीन फायदे, जानें कैसे बनाएं ये चपाती?

जौ, एक ऐसा अनाज है जो अपने पोषण से भरपूर गुणों के लिए जाना जाता है। इसमें फाइबर, खासकर बीटा-ग्लूकेन, प्रचुर मात्रा में होता है, जो हृदय, पाचन और रक्त शर्करा के लिए भी अच्छा होता है। यह प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट का भी एक बेहतरीन स्रोत है। भारत में, इसका सेवन ज़्यादातर रोटी और दलिया के रूप में किया जाता है। एक अध्ययन के अनुसार, इसमें घुलनशील फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जो रक्त कोलेस्ट्रॉल और रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करता है।

आयुर्वेद क्या कहता है?

आयुर्वेद के अनुसार, जौ अपने शीतल और डिटॉक्सिफेशन गुणों के लिए जाना जाता है। और जौ का सेवन करने का सबसे अच्छा तरीका है कि इसके आटे से रोटी बनाकर घी और गुड़ के साथ इसका आनंद लें। चलिए जानते हैं गुड़ और घी के साथ इसे खाने से कौन से फायदे मिलते हैं और इसकी चपाती कैसे बनाएं?

जौ की रोटी कैसे बनाएं?

एक कटोरे में 1 कप जौ का आटा और एक चुटकी नमक डालें। गरम पानी डालें और आटा गूंथने के लिए मिलाएं। एक बार हो जाने पर, आटे को 10 मिनट के लिए रख दें। रोटियां बेलकर तवे पर पकाएं और ऊपर से थोड़ा सा घी और गुड़ डालकर गरमागरम परोसें।

इस मिश्रण से कौन से फायदे होते हैं?

आयुर्वेद के अनुसार, घी जौ के बेहतर पाचन में मदद करता है। यह आंतों के लिए चिकनाई का काम करता है। एक अध्ययन के अनुसार, घी में विटामिन च की मात्रा होने के कारण यह कैल्शियम के अवशोषण में सहायता करता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। आयुर्वेद के अनुसार, घी गर्मी प्रदान करता है और वात को भी शांत करने में मदद करता है। वहीं गुड़ की बात करें तो यह, श्वसन तंत्र को साफ़ करता है। लीवर को मज़बूत बनाने और विषाक्त पदार्थों के जमाव को कम करने में भी मदद करता है। एक अध्ययन के अनुसार, यह फेफड़ों और श्वसन तंत्र को साफ़ करने में मदद करता है, जिससे जलन और खांसी कम होती है और फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है।

कोटर के टिकरी में की परेशानी बिजली कर्मचारियों की मनमानी

सतना

जिले के कोटर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अकौना के ग्राम टिकरी में बिजली विभाग के मनमानी रवैए से किसान आज भूंखो मरने के कगार पर पहुंच गए हैं। सूत्रों के मुताबिक लाइन मैन भरतलाल वर्मा की लापरवाही की वजह से पूरा कोटर बिद्यूत मंडल बदनाम है।किसान अपने घरों में अंधेरों तलों रहने और धान रोपण कार्य में पानी की समस्याओं को झेलने को मजबूर है। कई बार जनकारी देने के वावजूद भी जिम्मेदार ने मामले को संज्ञान में नहीं लिया। जिससे किसान आज दर दर की ठोकर खा रहा है। वहीं सूत्रों के मुताबिक दूसरी बात सामने आई है कि कोटर बिद्यूत मंडल में जिम्मेदार अधिकारी न होने की वजह से लाइनमैन बस स्टैंड कोटर में मौज मस्ती करते हुए नजर आने के कई फ़ोटो ग्राफ्स मिल जायेंगे।

कोटर में गौशाला बने गोवंश को मिले जीवन, किसान बने खुशहाल

सतना

जिले का कोटर नगर परिषद आज विधानसभा बनाने की आवाजों से जिले में राजनैतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं दूसरी तरफ कोटर गांव से लेकर कोटर बस स्टैंड तक आवारा पशुओं गाय और बैल से भरा हुई सड़कें हैं। मजाल है कि कोई दोपहिया से लेकर चारपहिया और बड़ा वाहन निकल जाय। और किसान चैन की नींद सो जाए, इधर किसान उधर फसल से हांथ धोया। वहीं दूसरी तरफ वाहन चालक बचते बचाते हुए वाहन चलाता है लेकिन अचानक पशुओं के रास्ते में आ जाने व उनको बचाने के चक्कर में बड़ी दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है। युवा समाज सेवी रवि प्रताप सिंह निवासी कोटर ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए निवेदन किया है कि कि यदि कोटर तहसील क्षेत्र अंतर्गत कई ग्राम पंचायतों में गौशाला का निर्माण कराया गया है,लेकिन इतनी बडी आबादी वाले कोटर नगर परिषद में किसानों के हितार्थ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने बताया कि यदि कोटर नगर परिषद को गौशाला मिल जाय तो उपरोक्त सभी बड़ी समस्याओं से निजात मिलेगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु बैठक 5 अगस्त को

अनूपपुर

अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण?डेय ने जानकारी दी है कि 15 अगस्त 2025 ÷स्वतंत्रता दिवस÷ के अवसर पर जिला स्तरीय समारोह का गत वर्षो की भांति आयोजन हेतु 5 अगस्त 2025 को शाम 5¬30 बजे से कलेक?ट्रेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया है। इस बैठक में सर्व संबंधित अधिकारियों को समय पर उपस्थित होने हेतु कहा गया है।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 5 अगस्त को

अनूपपुर

आगामी त्यौहार 9 अगस्त को रक्षाबंधन, 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, 26 अगस्त को हरितालिकातीज, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी, 5 सितंबर को मिलाद-उन-नवी एवं 6 सितंबर को गणेश विसर्जन के दौरान जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था कायम रखने को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में 5 अगस्त 2025 को शाम 5 बजे से आयोजित की गई है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय ने सर्व संबंधितों से बैठक में उपस्थित होने को कहा है।

वर्षा ऋतु में पशुपालक करें पशुओं की देखभाल

अनूपपुर

बदलते मौसम में जहाँ मानव जीवन के स्वास्थ्य सुरक्षा पर फोकस जरूरी है, वहीं पशुधन की भी वर्षा ऋतु में देखभाल बहुत आवश्यक है। इस मौसम में वातावरण में आई नमी में बढ़ोत्तरी के कारण पशुओं पर नकारात्मक प्रभाव पडता है, जिससे पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जीवाणु, विषाणु फफूंद जनित एवं पशु परजीवियों जैसे जूं, मक्खी व मच्छरों से होने वाली सभी प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक ने बताया है कि बरसात के मौसम में पशुपालकों को पशुओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पशुओं को सूखे स्थान पर रखें जहां पर हवा व धूप की मात्रा पर्याप्त हो। साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। पशुओं को यदि पक्के फर्श पर रखा जाता है, तो उस स्थान पर सप्ताह में कम से कम दो बार कीटाणुनाशक दवाई से सफाई करें। परजीवियों से बचाव के लिए पशुपालक पशु बाड़े में मच्छरदानी का प्रयोग करें तथा समय-समय पर नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श करके परजीवियों से बचाव के लिए दवाईयां व जानकारी प्राप्त करें। पशुओं के खुरों को समय-समय पर साफ करते रहें। क्योंकि इस मौसम में फफूंद को बढ़ावा मिलता है। पशुओं को समय पर पेट के कीड़ों की दवाई दें व नियमित टीकाकरण करायें। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक ने पशुपालकों को सलाह दी है कि अगर किसी भी बीमारी का लक्षण पशुओं में दिखाई दे, तो तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करें तथा पशु चिकित्सक की सलाह से उचित उपचार करवाएं।

पशुपालक अपने पशु का उपचार एवं गाय, भैंस का कृत्रिम गर्भाधान घर बैठे करवाने के लिये कर सकते हैं 1962 डायल

अनूपपुर

उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग अनूपपुर द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में प्रत्येक पशु चिकित्सा कार्य तथा कृत्रिम गर्भाधान कार्य एवं टीकाकरण के लिये चलित पशु चिकित्सा इकाई प्रत्येक विकासखण्ड में कार्यरत हैं। चलित पशु चिकित्सा इकाई से उपचार एवं कृत्रिम गर्भाधान (गाय-भैंस का) कार्य करवाने के लिये पशुपालक प्रातः 9¬00 बजे से शाम 5¬00 बजे के मध्य 1962 डायल कर घर पर ही अपने पशु का उपचार करा सकते हैं। उन?होंने बताया है कि वर्तमान में अनूपपुर जिले में कुल 6 चलित पशु चिकित्सा इकाई वाहन कार्यरत हैं। प्रत्येक चलित पशु चिकित्सा इकाई में एक पशु चिकित्सक एवं पैरावेट कार्यरत होता है, जो कि घर पहुंचकर बीमार पशु का उपचार एवं कृत्रिम गर्भाधान कार्य करते है। चलित पशु चिकित्सा इकाई द्वारा गाय/भैंस/बकरी के लिये प्रति पशु 150 रूपये एवं श्वान व बिल्ली के लिये प्रति पशु 300 रूपये शुल्क पशुपालक से लिया जाता है।

बीमा योजनाओं के सैचुरेशन हेतु शिविरों का हो रहा आयोजन

गोरसी ग्राम में आयोजित हुआ शिविर

अनूपपुर

जिले के जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत गोरसी में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शासन की मंशानुरूप ग्रामीण परिवारों को विभिन्न बीमा योजनाओं के प्रति जागरूक करते हुये बीमा योजनाओं का लाभ दिलाने कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के नेतृत्व में जिले भर में बीमा योजनाओं के सैचुरेशन हेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से जहां एक ओर ग्रामीणों को शासन की विभिन्न बीमा योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधनमंत्री सुरक्षा बीमा योजना व अटल पेंशन योजना आदि के बारे जागरूक किया जा रहा है, वही दूसरी ओर शिविरों में बीमा योजनाओं के नवीन पंजीयन व पूर्व से संचालित बीमा पालिसी का नवीनीकरण भी किया जा रहा है। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार अग्रणी जिला प्रबंधक अनूपपुर द्वारा इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे संबंधित बैंक के शाखा प्रबंधक, कियोस्क प्रतिनिधि, आजीविका मिशन से बैंक सखी आदि उपस्थित रहकर ग्रामीण परिवार के बैंक खाताधारक सदस्यों का बीमा पंजीयन शिविर स्थल पर ही कराया जा रहा है। शासन स्तर से उक्त बीमा योजनाओं से आजीविका मिशन अंतर्गत समस्त स्व सहायता समूह सदस्यों को भी लाभान्वित किये जाने के निर्देश प्राप्त हुये है जिसके तहत शिविरों में स्व सहायता समूह के सदस्यों की उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। गोरसी ग्राम के शिविर में जीवन ज्योति बीमा योजना व सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम प्रकरणों का वितरण भी किया गया। ग्राम पंचायत गोरसी में आयोजित शिविर में अग्रणी जिला प्रबंधक , सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया श्री अजित नाम्बियार, एनआरएलएम के जिला परियोजना प्रबंधक श्री शशांक प्रताप सिंह, शाखा प्रबंधक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अंजना गुप्ता, आजीविक मिशन टीम के जिला प्रबंधक श्री दशरथ झारिया व दीपक मोदनवाल, सहायक ब्लॉक प्रबंधक श्री विकास सिंह एवं गीतांजलि गुप्ता एवं बैंक सखी आदि उपस्थित रहे।

नवज्योति विद्या मंदिर अबेर ने ठाना, अनाथ बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देना

सतना।

कोटर तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अबेर में संचालित नव ज्योति विद्या मंदिर के संचालक रवि कुमार कुशवाहा ने शिक्षा को महत्व देते हुए बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने बताया कि आज गांव में ऐसे अनाथ बच्चे हैं।शिक्षा से वंचित थे,और उनके पठन- पाठन का कोई खर्च उठाने वाला नहीं था। मैंने जानकारी एकत्र किया और मैने पाया कि 9 बच्चे ऐसे थे,जिनके सिर से माता पिता का साया उठ गया था, और कुछ बच्चे ऐसे थे पिता नहीं थे सिर्फ मां ही सब कुछ थी। हमने उन सभी बच्चों के परिजनों से बात कर मुफ्त में शिक्षा, किताबें, कपड़े, जूते सब कुछ उपलब्ध करवा कर पठन पाठन का कार्य शुरू कर दिया है। शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों में सिद्धार्थ कुशवाहा पिता स्व. दिनेश कुशवाहा कक्षा 2, अवनी सिंह पिता स्व. गणेश सिंह कक्षा 2, नवी सिंह पिता स्व. सुरेंद्र सिंह कक्षा 3, शिवांशु प्रजापति पिता सज्जन प्रजापति कक्षा 4, अभ्युदय मिश्रा पिता स्व. रजनीश मिश्रा कक्षा 5, बादल सिंह माता वर्षा सिंह कक्षा 5, स्नेहा कुशवाहा पिता स्व. दिनेश कुशवाहा कक्षा 5, शिवानी प्रजापति पिता स्व. सज्जन प्रजापति कक्षा 6, ऋषभ सिंह पिता स्व. नागेंद्र सिंह कक्षा 6.अध्ययनरत हैं। संचालक रवि कुमार कुशवाहा ने बताया कि मुझे खुशी हो रही है कि मैं ऐसे बच्चों को भी शिक्षा दे रहा हूं। जो भारत के भाग्य विधाता हैं।

पूर्व कृषि विस्तार अधिकारी ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने अंग वस्त्र पहनकर भाजपा परिवार में किया शामिल

अनूपपुर।

भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के द्वारा 29 जुलाई 2025 को भाजपा कार्यालय अनूपपुर में हाल ही में सेवानिवृत हुए कृषि विस्तार अधिकारी पुष्पराजगढ़ लक्ष्मण सिंह उद्दे को भाजपा का अंग वस्त्र पहनकर भारतीय जनता पार्टी परिवार में शामिल किया और उन्हें भाजपा की सदस्यता प्रदान की।

भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने पूर्व कृषि विस्तार अधिकारी लक्ष्मण सिंह उद्दे को भाजपा परिवार में शामिल होने पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि उनके पार्टी में आने से भारतीय जनता पार्टी को पुष्पराजगढ़ विधानसभा में और मजबूती मिलेगी ।उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

दिव्यांग छात्र-छात्राओ को वितरित किये गए साइकिल एवं उपकरण

शहडोल

जनपद शिक्षा केंद्र गोहपारू में विभिन्न शासकीय शालाओं में अध्ययनरत 6 से 14 वर्ष तक के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर के उपरांत चिंहित विद्यार्थियों को उपकरण वितरण किया गया। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर के विशेषज्ञों द्वारा व्हीलचेयर, ट्राईसाईकिल, वैशाखी, एल्बो क्रच, ब्रेल स्लेट, ब्रेल किट, एमएसआईईडी किट, हियरिंग ऐड, सीपी चेयर, बड़ा रोलेटर आदि

उपकरणों का वितरण कर उनके उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। उपकरण वितरण शिविर में जनपद सदस्य गोहपारू श्रीमती सैलजा सिंह, सरपंच श्री दलवीर सिंह, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक लक्ष्मीकांत द्विवेदी सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियो से बचने सावधानी एवं सर्तकता ही श्रेष्ठ साधन- सीएमएचओ

शिविर लगाकर लोगो को स्वास्थ्य सुविधाएं करे प्रदान- डॉ. राजेश मिश्रा

शहडोल

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश मिश्रा ने वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग से होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह दी है। वर्षाकाल के मौसम में मौसमी बीमारियों एवं उल्टी दस्त से बचाव हेतु सावधानी एवं सर्तकता ही श्रेष्ठ साधन है। वर्षाकाल के मौसम में पानी छानकर एवं उबालकर पीना चाहिए तथा पेयजल स्त्रोंतों का जल शुद्धिकरण ब्लीचिंग पाउडर एवं क्लोरीन टैबलट से करें। ताजा भोजन ग्रहण करें, वासी एवं कटे-फटे फलों का सेवन ना करे।

उन्होंने कहा कि घर के आसपास साफ-सफाई रखें, दस्त लग जाने पर ओ.आर.एस. एवं जिंक सल्फेट गोली का उपयोग चिकित्सक की सलाह अनुसार करें। खाने-पीने की वस्तुओं को ढंककर रखें, मक्खियों से बचाव करें। हरी सब्जी एवं फलों को साफ पानी से धोकर ही उपयोग करें। मानसून के दौरान बहुत से लोगों को आंखो के रोग हो जाते हैं। इस रोग को आई-फ्लू,

कंजक्टिवाईटिस या आखें आना के रूप में जाना जाता है। इस रोग से बचाव के लिए बार-बार अपने हाथ एवं चेहरे को ठंडे पानी से धोयें, परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग तौलिये एवं रूमाल का उपयोग करें, स्वच्छ पानी का उपयोग करें, बार-बार आंखों को हाथ न लगायें, धूप के चश्मे का प्रयोग करें, चिकित्सक को दिखायें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सिविल सर्जन शहडोल एवं सभी मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विकासखण्ड स्तरीय काम्बेट टीम मय चिकित्सक एवं दवाईयों के साथ तैयार रखे साथ ही विकासखण्ड स्तर पर कंट्रोल रूम बनाकर 24ग7 क्रियाशील हो यह सुनिश्चित करें। आयुष्मान आरोग्य सेंटरों का मौसमी बीमारियों की दवाईयाँ, मेट्रानिडाजोल, ओण्डामस्ट्रोन, डाइसाक्लोमीन, ओफलॉक्सासीन, ओ.आर.एस., जिंक एवं ब्लीचिग पाउडर एवं क्लोरीन टैबलेट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करे। उन्होने कहा कि किसी भी प्रकार की उल्टी-दस्त या मौसमी बीमारियों के संक्रमण की खबर प्राप्त होते ही प्रस्ताव विकासखण्ड स्तरीय काम्बेट टीम को रवाना करें एवं शिविर लगाकर लोगो को स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान करें तथा मौसमी बीमारियों के बचाव के लिए स्वास्थ्य शिक्षा भी देकर जागरूक करें तथ की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.डी. कंवर एवं जिला इपीडिमियोलॉजिस्ट डॉ. अंशुमान सोनारे को उपलब्ध कराये। जिला स्तर पर मोबाईल नं. 7999475657 एवं 8839675982 पर जानकारी का आदान-प्रदान कर सकते है।

कलार महिला मण्डल द्वारा मनाई गई हरियाली तीज

नरसिंहपुर। कलार महिला मण्डल नरसिंहपुर द्वारा हरियाली तीज का कार्यकम आयोजित किया गया। हरियाली तीज सावन माह में मनाया जाने वाला एक प्रमुख हिन्दु पर्व है, जिसमें महिलायें भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा कर पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। महिलायें हरे रंग की साडी, हरी चूडियां, बिंदी, काजल आदि से सोलह श्रृंगार करती हैं। इसी तारतम्य में कलार महिला मंडल की सदस्यों द्वारा रिंकी राय के निवास पर हरी साडी एवं श्रृंगार में उपस्थित होकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में आयोजक सदस्यों द्वारा समस्त महिला सदस्यों का गुलाब के फूल देकर एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्याक्रमों के साथ ही रोचक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर सभी विजेता सदस्यों को आकर्षक पुरूष्कार वितरित किये गये। कार्यक्रम के दौरान कलार महिला मंडल की अध्यक्ष प्रोति राय, उपाध्यक्ष ज्योत्सना राय, सचिव दुर्गा राय कोषाध्यक्ष मीनू महाजन के साथ संरक्षक गोदावरी राय, सरोज राय, अर्चना राय, स्वाति जायसवाल।

कार्यालय नगरपालिका परिषद बिजुरी, जिला-अनूपपुर(म.प्र.)

Phone/Fax no:/07658-264242 E-mail: cmobijuri@mpurban.gov.in

क्र.736/न.पा./लो.नि./2025 बिजुरी, दिनांक 15/07/2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग मे केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार, पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की गई है।

क्र.	ई– निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	आनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	रिर्माक
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_UAD_437331_1	CONSTRUCTIONOF PAVER BLOCK AT WARD NO 04	81.72 लाख	61,290.00	10000.00	30-07-2025 (17:30 HRS)	2nd call
2	2025_UAD_437332_1	CONSTRUCTIONOFCC ROAD FROM MANGAL BHAVAN TO GOVT. COLLEGE APPROACH ROAD WARD NO 01	119.55 लाख	59,775.00	12,500.00	30-07-2025 (17:30 HRS)	2nd call
3	2025_UAD_434438_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM KANYA SCHOOL TO PIPAL TIRAHA AT WARD NO 11	82.25 लाख	61,694.00	10000.00	15-08-2025 (17:30 HRS)	

1. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेब साईट (https://mptenders.gov.in) में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
2. बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है ।
3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बिजुरी जिला अनूपपुर (म.प्र.)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. ने 19 जहांगीराबाद भोपाल म.प्र. मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 09, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संपादक डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरवी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो. 9893798715